आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,बुधवार 15 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, शुक्ल पक्ष-1 ■ वर्ष -42 ■ अंक-108 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 16 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

मां महाकाली अघोरेश्वरी मंदिर में घटस्थापना के साथ गुप्त नवरात्र प्रारंभ

शिवधाम में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

रायपुर, 15 जुलाई। शिवधाम ग्राम तुलसी, पाटन स्थित मां महाकाली अघोरेश्वरी मंदिर में आज घट स्थापना के साथ गुप्त नवरात्रि पर्व का श्रीगणेश हो गया है। 18जुलाई को पंचमी पर माता का श्रृंगार व हवन किया जाएगा। 20जुलाई को सतमीं है। अष्टमी का हवन रात्रि 10.30 बजे 21जुलाई को होगा। नवमीं पर 22 जुलाई को हवन के पश्चात कन्या पूजन व भोग का आयोजन होगा। धार्मिक नगरी रतनपुर स्थित सिद्ध शक्तिपीठ मां महामाया मंदिर में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की गुप्त नवरात्र बुधवार से श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ प्रारंभ हो गई। नवरात्र के प्रथम दिवस मंदिर में विधि-विधान से घटस्थापना कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही गर्भगृह में मुख्य ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किया गया तथा दुर्गा सप्तशती पाठ सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत हुई, जो 23 जुलाई तक निरंतर चलेंगे। मान्यता है कि इस दौरान मां दुर्गा की आराधना से विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा साधकों को आध्यात्मिक सिद्धियों की प्राप्ति होती है।

ट्रेलर ने स्कूटी सवार परिवार को रौंदा, पिता-पुत्र की मौत मां की हालत नाजुक

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही ,15 जुलाई। पेंड्रा नगर में आज एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। मुख्य मार्ग पर स्थित राय पेट्रोल पंप के पास कोयले से भरे एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रेलर ने स्कूटी सवार परिवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार पिता और उनके मासूम पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार पेंड्रा के कुडकई गांव का रहने वाला था। वे सभी स्कूटी पर सवार होकर गांव से पेंड्रा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान राय पेट्रोल पंप के पास सामने से एक बड़ी गाड़ी आ रही थी, तभी कोयले से लदे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें ओवरटेक करने की कोशिश की। रफ्तार अधिक होने के कारण ट्रेलर स्कूटी को अपनी चपेट में लेते हुए रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार तीनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे।

छत्तीसगढ़ की जेलों में 5 साल में 375 कैदियों की मौत

रायपुर, 15 जुलाई। प्रदेश के जेलों में होने वाली मौतों का आंकड़ा चिंताजनक है. बीते पांच सालों में जेल अभिरक्षा में 375 मौतें हुई हैं, जिनमें से 311 की जांच रिपोर्ट मिल चुकी है. लेकिन अभी भी 62 मामलों में जांच रिपोर्ट अप्राप्त है. इन पांच सालों में सबसे ज्यादा 90 मौत 2022 में दर्ज की गई. गृह मंत्री विजय शर्मा ने कांग्रेस विधायक उमेश पटेल को लिखित जबाव पेश किया. पेश आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 से 25 जून 2026 तक जेल अभिरक्षा में 375 कैदियों की मौत हुई है. इनमें से 373 मामलों में दण्डाधिकारी/न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं. 311 की जांच रिपोर्ट मिल चुकी है, वहीं 62 रिपोर्ट अब भी लंबित है.

सदन में गूंजा नकटी में बुलडोजर कार्रवाई का मामला

स्थगन प्रस्ताव खारिज होने पर नाराज़ विपक्ष ने गर्भगृह में जाकर की नारेबाजी, सभी विपक्षी विधायक निलंबित

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर, 15 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नकटी में हुए बुलडोजर कार्रवाई का मामला आज जोर शोर से गूंजा। विपक्ष के 35 सदस्यों ने इस पर स्थगन की सूचना दी थी। शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, उमेश पटेल, देवेंद्र यादव समेत अन्य सदस्यों ने कहा कि सरकार को ठीक बरसात में यह कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ी। विधायक निवास के नाम पर की गई इस कार्रवाई से उनका नाम बदनाम हुआ है। इनके उचित व्यवस्थान की जरूरत बताते हुए विपक्ष ने इस महत्वपूर्ण विषय पर लाये गये स्थगन पर चर्चा कराने की मांग की। स्पीकर के निर्देश पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने इसे नियमानुसार कार्यवाही बताते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों की उचित व्यवस्थापन करते हुए उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। शासन का जवाब आने के बाद स्पीकर डॉ रमन सिंह ने विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव को खारिज करते हुए चर्चा की अनुमति नहीं दी । इससे नाराज़ विपक्ष के सभी सदस्य नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में पहुंच गए। इस पर विपक्ष के सभी विधायक सदन की कार्यवाही से निलंबित हो गये। थोड़ी देर बाद ही स्पीकर ने इनका निलंबन वापस ले लिया और विपक्ष ने पुनः चर्चा में भाग लिया।

बाल संप्रेक्षण गृह से फिर फरार हुए 13 बालक

सरगुजा, 15 जुलाई। गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से देर रात 13 अपचारी बालक फरार हो गए। लगातार दूसरी बार हुई इस घटना ने संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और फरार बालकों की तलाश के लिए जिलेभर में सर्च अभियान तेज कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, अपचारी बालकों ने संप्रेक्षण गृह के पुराने और कमजोर दरवाजे को तोड़कर भागने की योजना बनाई। देर रात सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाते हुए सभी 13 बालक परिसर से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही संप्रेक्षण गृह प्रबंधन ने गांधीनगर थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया गया।

गौरतलब है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 23 जून को भी इसी बाल संप्रेक्षण गृह से 13 अपचारी बालक फरार हो गए थे।

मालगाड़ी डिरेलमेंट मामले में 10 गिरफ्तार

बिलासपुर, 15 जुलाई। बिलासपुर के कारगी रोड रेलवे स्टेशन में मालगाड़ी डिरेलमेंट की घटना में आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई की है. बिलासपुर से इंदौर तक के रेलवे स्टेशनों की सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से 10 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है. फिलहाल मुख्य आरोपी निजी ठेकेदार पवन नायक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है. दरअसल, 13 जुलाई के दोपहर करीब 2:20 बजे यह घटना हुई थी. करगी रोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 स्थित लाइन नंबर-3 पर मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उत्तर गए थे. राहत की बात रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. मौके पर पहुंची रेलवे अधिकारियों को डिब्बों के नीचे जेसीबी मशीन का बकेट फंसा हुआ मिला था. रेलवे की जांच में यह सामने आया कि जेसीबी बकेट को प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर उतारने के बाद 5-6 मजदूर उसे प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर ले जा रहे थे. इस दौरान मालगाड़ी आती देख मजदूर भारी बकेट को ट्रैक पर छोड़कर भाग गए, जिससे मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतर गए. गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कमलेश टेकाम उर्फ मुन्ना (25), नरहर सिंह उर्फ पिंटू (35), देवा सिंह (38), बुद्धू सिंह (49), छत्रपति मरावी (32), लोकेश मांडवी (19), अनुराग मरावी (31), अभिषेक यादव (21), जेसीबी बकेट मंगवाने वाला मोहम्मद शमीर (24) और कोच अटेंडेंट अमित यादव (23) शामिल हैं.

पंजाब कांग्रेस में कलह पर भूपेश ने आलाकमान को सौंपी रिपोर्ट

चंडीगढ़, 15 जुलाई। पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी कलह के बीच, पार्टी के राज्य प्रभारी भूपेश बघेल ने बुधवार को एआईसीसी AICC के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की। पार्टी नेताओं के साथ कई दिनों तक बातचीत करने के बाद उन्होंने नेतृत्व की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट सौंपी। यह रिपोर्ट बघेल के पंजाब के छह दिवसीय दौरे के बाद आई है। इस दौरे के दौरान उन्होंने पंजाब कांग्रेस कार्यालय में नेताओं के साथ बैठकें कीं और अंदरूनी कलह का जायजा लेने के लिए नेताओं से अलग-अलग भी बातचीत की। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने भी बुधवार को वेणुगोपाल से उनके आवास पर मुलाकात की, लेकिन उन्होंने बातचीत का ब्योरा नहीं दिया। नेतृत्व को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस आलाकमान ने अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बनाए रखने का फैसला किया। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा की

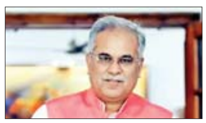

अगुवाई में वरिष्ठ नेताओं के एक गुट ने इस फ़ैसले का विरोध किया है। बघेल ने कहा कि उनकी रिपोर्ट में राज्य भर के नेताओं के साथ बातचीत के दौरान मिली राय शामिल है। बघेल ने पत्रकारों से कहा कि मैंने छह दिन पंजाब का दौरा किया, जहां मैंने नेताओं से मुलाक़ात की और उनकी बातें सुनीं - इसमें पंजाब कांग्रेस दफ़्तर में हुई बातचीत और आमने-सामने की मुलाक़ातें भी शामिल थीं। सभी से मिलने और पंजाब के नेताओं के साथ चर्चा करने के बाद, मैंने अपनी रिपोर्ट AICC के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को सौंप दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने संकट के समाधान के लिए राज्य नेतृत्व में बदलाव की सिफारिश की है, तो बघेल ने अपनी रिपोर्ट का ब्योरा देने से इनकार कर दिया। मैं आपको कैसे बता सकता हूँ कि मैंने पार्टी नेतृत्व को क्या रिपोर्ट सौंपी है?उन्होंने दोहराया कि पार्टी नेतृत्व को अपना आकलन सौंपने से पहले उन्होंने सभी प्रमुख नेताओं से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की थी। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब हाल ही में विदेश से लौटे राहुल गांधी ने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक की। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा की।

अंबेडकर अस्पताल में बड़ी लापरवाही,विधानसभा में गूंजा मुद्दा

बिना पुलिस वेरिफिकेशन के अस्पताल में तैनात थे कर्मचारी

रायपुर, 15 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। अस्पताल में तैनात निजी सुरक्षा गार्डों और कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन (सत्यापन) न कराए जाने का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। यह मुद्दा विधानसभा में भाजपा विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने जोर-शोर से उठाया, जिसके बाद स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक ने ध्यानाकर्षण सूचना के जरिए इस गंभीर लापरवाही को सदन के सामने रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेका कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए जानबूझकर टेंडर की शर्तों से पुलिस वेरिफिकेशन का प्रावधान ही हटा दिया गया।बिना किसी आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच के कर्मचारियों को रख लिया गया, जिसके कारण अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों से आए दिन चोरी की घटनाएं हो रही हैं। अस्पताल परिसर में तैनात गार्डों द्वारा आम जनता, मरीजों के परिजनों और यहां तक कि पत्रकारों से भी मारपीट और बदसलूकी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कौशिक ने सीधे तौर पर सवाल उठाया कि इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार किस अधिकारी और किस एजेंसी पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है? इस संवेदनशील मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सरकार का पक्ष रखते हुए स्थिति को संभालने का प्रयास किया। मंत्री जायसवाल ने सदन को अवगत कराया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कदम उठाए गए हैं जैसे मेकाहारा और डीकेएस (दाऊ कल्याण सिंह) अस्पताल के सभी वर्तमान कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन अब पूरा करा लिया गया है। भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो, इसके लिए पूरे प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में कार्यरत ठेका कर्मचारियों का अनिवार्य रूप से वेरिफिकेशन कराने के कड़े निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था पर खड़े हुए गंभीर सवाल

प्रदेश के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान में, जहां रोजाना हजारों की संख्या में गंभीर मरीज और उनके परिजन पहुंचते हैं, वहां सुरक्षा मानकों में इतनी बड़ी चूक ने प्रबंधन को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

विपक्ष और आम जनता का मानना है कि केवल वेरिफिकेशन करा लेना ही काफी नहीं है, बल्कि टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों और नियमों को ताक पर रखने वाली एजेंसी के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में मरीजों की सुरक्षा से ऐसा खिलवाड़ न हो सके।

ब्लैक लिस्टेड कंपनी से पौने सात करोड़ की दवा खरीदी पर विस में हंगामा

रायपुर, 15 जुलाई। गुजरात की ब्लैक लिस्टेड कंपनी यूनीक्योर इंडिया लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ में 6 करोड़ 89 लाख रुपए की दवा सप्लाई कर दी। यह कारनामा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन ने किया। सरकार कहती है कि हमने वो दवा नहीं खरीदी जिसके कारण कंपनी को गुजरात में ब्लैक लिस्टेड किया गया था। 25 मार्च 2026 को जब सरकार को यह पता चला कि यह कंपनी गुजरात में ब्लैक लिस्टेड है तब तक को करोड़ों की खरीदी की डील हो चुकी थी। सीजीएमएससी पर दवा खरीदी को लेकर कई बार सवाल उठ चुके हैं। दवा घोटाले की जांच भी चल रही है। इसके बाद भी प्रदेश में इस तरह की लापरवाही सामने आ रही है। यह सीधे सीधे लोगों की जान से खिलवाड़ है। विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह सवाल लगाया लेकिन उनकीअनुपस्थिति के कारण यह सवाल कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने पूछा।

विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वीकार किया कि गुजरात मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड की एस्पिरिन गैस्ट्रो-रेजिस्टेंट टैबलेट्स आईपी 75 मिलीग्राम और 150 मिलीग्राम को अमानक पाए जाने के बाद ब्लैकलिस्ट किया था। इस बारे में 25 मार्च 2026 को कंपनी ने सीजीएमएससी को जानकारी दी थी। मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ब्लैकलिस्ट की गई दवा की खरीदी के आदेश जारी नहीं किए गए थे। मंत्री के अनुसार मेडिकल कार्पोरेशन ने यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड को एस्पिरिन टैबलेट्स आईपी 75 मिलीग्राम (अनकोटेड टैबलेट) की सप्लाई के लिए खरीद आदेश दिया था। जो गुजरात में प्रतिबंधित गैस्ट्रो-रेजिस्टेंट टैबलेट से अलग दवा है। मंत्री ने बताया कि हालांकि दोनों दवाएं अलग थीं, लेकिन जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कंपनी से सूचना मिलने के बाद एस्पिरिन टैबलेट्स आईपी 75 मिलीग्राम (अनकोटेड) के लिए जारी खरीद आदेश निरस्त कर दिया गया। जानकारी के अनुसार यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड से लगभग 184 प्रकार की दवाओं की सप्लाई की जा रही थी। बताया जा रहा है कि गुजरात के अलावा मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के बाद कंपनी को वर्ष 2026 तक ब्लैकलिस्ट किया था। राजस्थान में भी इस कंपनी की कुछ दवाएं गुणवत्ता परीक्षण में फेल हुई थीं। वहां भी इस कंपनी ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया। इसके बावजूद छत्तीसगढ़ में उससे दवा खरीदी करने पर सवाल उठ रहे हैं। यह कंपनी गुजरात और मध्यप्रदेश समेत सात राज्यों में ब्लैक लिस्टेड है।

अनुकंपा नियुक्ति पर हाईकोर्ट की बड़ी राहत

बिलासपुर,15 जुलाई। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि कोविड महामारी के कारण शिक्षक पात्रता (टेट) परीक्षा रद्द हो गई हो, तो निर्धारित अवधि के भीतर टेट की योग्यता प्राप्त न कर पाने के आधार पर किसी अभ्यर्थी को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जब देरी अभ्यर्थी की नहीं बल्कि प्रशासन की वजह से हुई हो, तो उसका नुकसान उम्मीदवार को नहीं उठाना चाहिए।याचिकाकर्ता के पिता सहायक शिक्षक (एलबी) थे। 7 अप्रैल 2017 को उनकी मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति का दावा किया गया था। याचिकाकर्ता ने 2019 में डीएलएड की योग्यता प्राप्त कर ली थी। उसने 22 मार्च 2020 को होने वाली टेट परीक्षा के लिए आवेदन किया था। हालांकि, कोविड-19 महामारी कोविड-19 TET के कारण परीक्षा रद्द हो गई। बाद में 9 जनवरी 2022 को आयोजित टेट परीक्षा Teacher Eligibility Test में वह सफल भी हो गया, लेकिन अधिकारियों ने यह कहते हुए उसका दावा खारिज कर दिया कि उसने निर्धारित तीन वर्ष की अवधि में आवश्यक योग्यता हासिल नहीं की। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह साबित हो कि 2017 से मार्च 2020 के बीच टेट परीक्षा आयोजित हुई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 के कारण 15 मार्च 2020 से 28 फरवरी 2022 तक की अवधि को सीमाबद्धता की गणना से बाहर रखने का निर्देश दिया था और यही सिद्धांत इस मामले पर भी लागू होगा। इन परिस्थितियों में हाईकोर्ट ने 6 दिसंबर 2022 का आदेश रद्द करते हुए संबंधित अधिकारियों को 45 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता के अनुकंपा नियुक्ति के दावे पर कानून के अनुसार पुनर्विचार करने का निर्देश दिया।मामला ऐसे अभ्यर्थी से जुड़ा था, जिसे अनुकंपा नियुक्ति के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर TET उत्तीर्ण करना आवश्यक था।

टैंकर ने ली स्कूटी सवार भाई-बहन की जान

कटघोरा, 15जुलाई। नाबालिगों को वाहन चलाने देना फिर जानलेवा साबित हुआ है. कोरबा के पोड़ी बस स्टैंड के पास में बुधवार सुबह भीषण हादसा हो गया है. तेज रफ्तार टैंकर और स्कूटी के बीच जोरदार टक्कर हो गई. हादसे में सगे भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग की हालत गंभीर है. बांगो थाना क्षेत्र की पूरी घटना है. जानकारी के मुताबिक बस स्टैंड में (13 साल) बूटी गोस्वामी और (12 साल) दशरथ गोस्वामी के साथ एक और नाबालिग स्कूटी से सामान लेने आए थे. इस दौरान तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी. हादसे में कोनकोना बस्ती के गोस्वामी पारा निवासी बूटी और दशरथ की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं अन्य नाबालिग विक्की गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल भर्ती कराया गया है. तीनों बच्चे एक ही परिवार के हैं. हादसे के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा. उन्होंने बांगो-अंबिकापुर नेशनल हाइवे पर चक्काजाम कर दिया. यहां से गुजरने वाले यात्री बस समेत वाहनों को जाम का सामना करना पड़ा. स्थिति गरमाने केब बाद बांगो पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे. उन्होंने चर्चा कर प्रदर्शन खत्म करने की समझाइश दी. तहसीलदार ने मौके पर ही पीड़ित परिवार को 25-25 हजार रुपए की तात्कालिक आर्थिक सहायता राशि प्रदान की. इसके बाद ग्रामीणों ने आखिरकार चक्काजाम समाप्त किया. पुलिस ने हाईवे पर यातायात बहाल कराया. मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. वहीं टैंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है.

कार की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हिर्री माइंस के पास तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। एक तेज गति से आ रही कार ने स्कूटी सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल 52 वर्षीय देवेंद्र शर्मा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सामने आया है। जानकारी के अनुसार, रहंगी निवासी देवेंद्र शर्मा (52) अपनी स्कूटी से बिलासपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जा रहे थे। इसी दौरान हिर्री माइंस के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

फीफा विश्व का 2026 पुरुष वर्ग में फुटबाल का सरताज बनने की कवायद तेज

अर्जेंटीनो के अपराजित रथ को क्या रोक पायेंगे अंग्रेज ?

आलेख .. जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार,टीवी कमेंटेटर,रायपुर.छग.

खेलों की दुनिया में हार या जीत किसी की बपौती नहीं है। 11 जून 2026 से प्रारंभ फुटबाल के विश्वकप पर कौन सी टीम का कब्जा होगा,अभी भी कहा नहीं जा सकता। जिस तरह फ्रांस के सबसे फुर्तीले खिलाड़ी एम्बाबे की टीम को स्पेन ने सेमीफायनल पछाड़ा है। अब तो लियोनल मैसी वाले अर्जेंटीना की टीम भी सकते में आ गई होगी। वैसे भी टीम खेल जिसमें चार से अधिक खिलाड़ी होते हैं उसमें किसी एक खिलाड़ी निर्भर नहीं होना चाहिए। स्पेन और फ्रांस दोनों ही फुटबाल के यूरोप महाद्वीप के अंतर्गत आते हैं। दोनों टीम साल भर में आपस में कई मैच खेलते हैं। दोनों एक दूसरे के खिलाड़ियों की अच्छाई और कमजोरी दोनों पक्ष से अवगत होते हैं। खिलाड़ियों को सही प्रशिक्षण मिला हो तो उन्हें यह भी मालूम होता है कि विपक्ष के किस खिलाड़ी में कितनी शारीरिक क्षमता है। इसके पहले कि वह आक्रमण की बागडोर संभाले उसकी घेराबंदी करके उसे छकाया जा सकता है। 11 जून 2026 को फीफा द्वारा 206 मान्यता प्राप्त देशों की वरीयता क्रम जारी की गई थी।

उसके अनुसार एक से लेकर दस तक क्रमशः अर्जेंटीना, स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, पुर्तगाल, ब्राजील, मोरोक्को, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी की टीम थी। गौर करने वाली बात यह है कि फीफा द्वारा किया गया आकलन बिलकुल सही साबित हुआ है और 2026 के विश्व कप के सेमीफायनल में पहुंचने वाली चारों टीम की रेंकिंग वास्तव में एक से चार तक ही है। इस विश्वकप में यूरोप और दक्षिण अमेरिका महाद्वीप ने अपनी श्रेष्ठता साबित की है। पहली बार 48 देशों के बीच खिताबी संघर्ष जारी है। फीफा द्वारा मान्यता प्राप्त 206 देशों में से यूरोप महाद्वीप के 54 देशों को जबकि दक्षिण अमेरिका महाद्वीप की 10 टीम को मान्यता दी गई है। मुख्य स्पर्धा में शामिल 48 देशों में यूरोप की 54 में से 16 टीम को दक्षिण अमेरिका की 10 में 06 टीम को मुख्य ड्रा में जगह मिली। एक सेमीफायनल हो चुका है।जिसमें स्पेन ने फ्रांस को पराजित किया। एक बाकी है। जिसमें वर्तमान विजेता अर्जेंटीना का सामना इंग्लैड से होगा। अर्थात अब यूरोप की 16 में से 14 जबकि दक्षिण अमेरिका की 06 में से 05 टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है। 48 टीम को शामिल किए जाने की वजह से चैंपियनशिप कई दौर से गुजर रहा है जिसमें आरंभिक चक्र, राऊंड आफ 32, राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फायनल, सेमीफायनल फिर फायनल के दौर से गुजरते हुए टूर्नामेंट में कुल 104 मैच खेला जाना तय हुआ है। अभी तक 101 मैच संपन्न हो चुके हैं। अब सिर्फ तीन मुकाबला एक सेमीफायनल एक फायनल और एक तीसरे स्थान के लिए एक भिड़ंत होना बाकी है।

दूसरे सेमीफायनल में वर्तमान विजेता अर्जेंटीना के सामने इंग्लैड की टीम होगी। इंग्लैड की टीम ने विश्वकप में पहली बार 1950 में योग्यता हासिल की थी। उसके बाद वह तीन बार छोड़कर 17 बार विश्वकप के प्रमुख दौर में पहुंची तथा एक बार 1966 में विजेता बनी। दूसरी तरफ अर्जेंटीना की टीम 1930 के पहले फीफा विश्वकप में शामिल रही और अब तक 19 बार मुख्य दौर में प्रवेश कर चुकी है। जिसमें वह तीन बार 1978,1986 तथा 2022 में फीफा विश्वकप विजेता रही है। खेलों की दुनिया का कोई भी विश्वकप इतने व्यापक स्तर पर नहीं होता है। तीन देशों में 11 जून से लगातार मुकाबले जारी है। किसी तरह की अव्यवस्था की बात सामने नहीं आई है। यह फीफा के पदाधिकारियों के मेहनत और दूरदर्शिता का परिणाम है। आयोजकों ने अपनी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया है। खिलाड़ियों की भूमिका की जितनी भी तारीफ की जाए कम है। किसी ने भी खान पान, परिवहन, आवास व्यवस्था पर ऊंगली नहीं उठाई। खेल के दौरान रैफरी के कुछ एक निर्णय पर टीम के मैनेजर या कोच ने आपत्ति जरूर दर्ज कराई लेकिन सब कुछ अनुशासन की सीमा के भीतर रहकर किया गया. भारत में आने वाले 2038 तक जिस तरह करीब 29 अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा के आयोजन की संभावना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया के मार्गदर्शन में होने की व्यक्त की गई है तब तो 2026 का फीफा विश्वकप पुरुष वर्ग के आयोजन की सभी बारीकियों का अध्ययन हमारे देश के खेल प्रशासकों, आयोजनकर्त्ताओं को अभी से करना चाहिए ताकि भारत का नाम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ आयोजक के रुप में स्थापित हो सके।

शहर की स्वच्छता, सुगम ड्रेनेज सिस्टम, जन-सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता : आयुक्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 15 जुलाई। नगर निगम भिलाई की नवनियुक्त आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह (आईएएस) ने कार्यभार संभालते ही शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए मैदानी स्तर पर निरीक्षण शुरू कर दिया है। इसी क्रम में उन्होंने गुरुवार को निगम के जोन-1 एवं जोन-2 अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा कर स्वच्छता व्यवस्था, विकास कार्यों तथा जन सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने अपने निरीक्षण की शुरुआत जोन-1 नेहरू नगर स्थित एसएलआरएम सेंटर से की। यहां उन्होंने कचरा पृथक्करण एवं प्रसंस्करण की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा स्वच्छता दीदियों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली, समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने एम.जे. कॉलेज के समीप स्थित कोसानाला का निरीक्षण किया। वर्षा ऋतु को देखते हुए उन्होंने नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा जलभराव जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अधिकारियों को पूरी सतर्कता और तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात आयुक्त ने जोन-2 क्षेत्र का दौरा कर वहां स्थित एसएलआरएम सेंटर की कार्यप्रणाली, कचरा निपटान क्षमता और स्वच्छता मानकों की समीक्षा की। उन्होंने नव-निर्मित डॉग हाउस का निरीक्षण करते हुए आवारा कुत्तों के सुव्यवस्थित रखरखाव, टीकाकरण एवं बंध्याकरण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। गोठान परिसर के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने मवेशियों के लिए चारा, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को पुख्ता व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर की स्वच्छता, सुगम ड्रेनेज सिस्टम और जन-सुविधाएं हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी और कर्मचारी फील्ड पर सक्रिय रहकर जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।÷ निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त सह जोन आयुक्त डी.के. कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल एवं अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू एवं श्वेता माहेश्वर, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता शंकर सुवन मरकाम, पुरुषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर एवं चंदन निर्मल, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील जोशी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, शंकर साहनी सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरियाली,पर्यावरण संरक्षण के लिए बटरेल में 4 हजार पौधे लगाए गए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 15 जुलाई। पाटन विधानसभा के ग्राम बटरेल में आज वन विभाग के तत्वावधान में एक वृहद पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत ग्राम में कुल 4000 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत नीम, पीपल, बरगद, अर्जुन जैसे छायादार वृक्षों के साथ-साथ आम, जामुन, कटहल जैसे फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति श्रीमती कल्पना नारद साहू रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन विभाग के सभापति प्रणव शर्मा ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्र के जनपद सदस्य अजय एवं ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती ऐमन भेष आठे, भाजयुमो के पूर्व मंडल अध्यक्ष नारद साहू उपस्थित रहे।वन विभाग से रेंजर कुलदीप साहू, डिप्टी रेंजर डी. पी. वर्मा सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी इस पौधारोपण अभियान में शामिल हुए। श्रीमती कल्पना साहू और प्रणव शर्मा ने कहा कि ÷ऐसे पौधारोपण अभियान ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित भविष्य की गारंटी हैं। प्रत्येक नागरिक को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों ने मिलकर पौधे लगाए और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

दुर्ग, 15 जुलाई ।खरीफ मौसम के दौरान किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की अनिश्चितता से बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीयन की प्रक्रिया 12 जुलाई से शुरू हो चुकी है। सभी किसान अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 का इंतजार किए बिना समय पर अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार इस साल अलनीनो के प्रभाव के कारण अनियमित या कम बारिश की संभावना बनी हुई है।

एक नजर

छात्रों से मारपीट,4 गिरफ्तार

भिलाई, 15 जुलाई (तछसं.)। विद्यार्थियों से मारपीट, गाली-गलौज एवं शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने वाले चार आरोपियों को खुर्सीपार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है खुर्सीपार टीआई लक्ष्मण केवट ने बताया कि 13 जुलाई की रात लगभग 8.40 बजे प्रार्थी मोहम्मद शब्बीर निवासी खुर्सीपार ने रिपोर्ट - दर्ज करायी कि खुर्सीपार क्षेत्र के कुछ युवक स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों को रोककर परेशान करते हैं। उनके साथ मारपीट एवं गाली-गलौज करते हैं तथा शराब पीने के लिए पैसों की मांग करते हैं। पैसे नहीं देने पर विद्यार्थियों के साथ मारपीट कर उन्हें भयभीत किया जाता है। शिकायत के आधार पर खुर्सीपार पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूल समय में घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्र में पूछताछ की। प्रार्थी एवं पीड़ित विद्यार्थियों से आरोपियों की पहचान कराई। इसमें युवराज साहू (19 साल) निवासी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर खुर्सीपार एवं शेखर गुप्ता (21 साल) निवासी एचसीएल कॉलोनी, तेलहा नाला के पास, नंबर-04, खुर्सीपार की पहचान हुई पूछताछ में अपराध स्वीकार करने पर दोनों आरोपियों और प्रकरण में संलिप्त दो नाबालिग पर को गिरफ्तार किया है।

माडिफाइड साइलेंसर,5 हजार का चालान

भिलाई, 15 जुलाई (तछसं.)। ट्रैफिक पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर बुलेट चलाने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपए का चालान किया जांच के दौरान पुलिस ने बाइक में लगा अवैध साइलेंसर मौके पर ही हटवाकर मानक साइलेंसर लगवाया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) ऋचा मिश्रा ने बताया कि शहर में मॉडिफाइड साइलेंसर और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसी दौरान पुलिस ने बुलेट को जांच के लिए रोका। जांच में पाया गया कि बाइक में कंपनी की जगह मॉडिफाइड साइलेंसर लगाया गया था। वाहन जांच के दौरान ट्रैफिक पुलिस के जवान ने बाइक स्टार्ट कराकर देखी। इस दौरान साइलेंसर से काफी तेज आवाज आ रही थी। साथ ही साइलेंसर से चिंगारी भी निकल रही थी, जिससे सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा को खतरा हो सकता था। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 182 के तहत चालक पर 5 हजार रुपए का चालान किया। कार्रवाई के दौरान मौके पर ही मॉडिफाइड साइलेंसर हटवाकर वाहन को मानकों के अनुरूप कराया गया।

नशे में वाहन चलाने पर 32 हजार जुर्माना

भिलाई, 15 जुलाई (तछसं.)। प्रतिबंधित मार्ग पर शराब के नशे में खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले चालक को महंगा पड़ गया। न्यायालय ने 32 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। वाहन चालक शराब के प्रभाव में खतरनाक ढंग से वाहन संचालन किए जाने पर धारा 185,184 एवं 115/194 मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) ऋचा मिश्रा ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों के प्रभावी पालन के उद्देश्य से लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

अभियान के दौरान यातायात टीम के टैंगो-5 ने प्रतिबंधित मार्ग पर एक वाहन चालक को शराब के नशे की स्थिति में खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए पाया मौके पर वाहन चालक के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 185, 184 एवं 115 / 194 के अंतर्गत कार्रवाई की प्रकरण को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय दुर्ग के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय ने वाहन चालक पर 32 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में जुड़ी अतिरिक्त क्षमता, बिजली व्यवस्था होगी और बेहतर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 15 जुलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश की पारेषण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला द्वारा लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में स्थापित 160-160 एमवीए क्षमता के दो पावर ट्रांसफार्मरों का ऊर्जीकरण किया गया। दोनों ट्रांसफार्मरों के सफल ऊर्जीकरण के साथ ही उपकेंद्र में 320 एमवीए की अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता उपलब्ध हो गई है। प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने इस उपलब्धि पर परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास और उपभोक्ताओं को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पारेषण नेटवर्क का निरंतर विस्तार एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लिटिया सेमरिया उपकेंद्र में उपलब्ध हुई अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता से न केवल वर्तमान विद्युत मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकेगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप भी पर्याप्त क्षमता उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक संजय पटेल, कार्यपालक निदेशक के.एस. मिनोठिया, कार्यपालक निदेशक वी.के. दीक्षित, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल, कार्यपालक निदेशक दुर्ग क्षेत्र शिरीष सेलट, मुख्य अभियंता अब्राहम वर्गीज, मुख्य अभियंता प्रसन्ना गोसावी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता पी.पी. सिंह, आर.के. तिवारी एवं आर.के. मिश्रा, अधीक्षण अभियंता करुणेश यादव एवं सुनील भुआर्य सहित परियोजना से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगरिया परिवार ने छात्र-छात्राओं को छाता और रेनकोट का वितरण कर शिक्षकों का सम्मान किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पाटन,15 जुलाई। विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले ग्राम सुरपा स्कूल में नगरिया परिवार द्वारा कक्षा पहली से 10वी तक के छात्र छात्राओं को छाता और रेनकोट का वितरण किया गया। नागरिया परिवार द्वारा अनेक वर्षों से लगातार समय-समय पर स्कूली बच्चों को शिक्षण कार्य में उपयोग होने वाली सामान उपलब्ध कराते है। बता दे कि एम.डी नगरिया 81 साल पहले सुरपा स्कूल में कक्षा 3 से 5वी में पढ़ाई किए है जिनके सम्मान के लिए एवं बच्चों के आवश्यकता की समान उपलब्ध करा के खुशी में शामिल होते है। इस अवसर पर मेधावी छात्र एवं शिक्षक शिक्षिका एवं रसोईयों का भी सम्मान किया गया और हाई स्कूल सुरपा मे वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर इस अवसर पर प्रमोद जैन,चंद्रहास साहू सरपंच,देवानंद देवांगन,लोकेश्वर निर्मलकर,हरियर यादव,चुन्नी देवांगन,किशोर यादव,भागवत साहू,विवेक नारंग,तेजराम देवांगन सरपंच, संजय मारकंडे,किशोर सेन सहित प्राथमिक शाला दुलेश्वर कुमार टंडन प्रधान पाठक,मनोज ठाकुर, हिरेंद्र मंडावी, श्रीमति ममता साहू, ओम प्रकाश सोनवानी, मुकेश कुमार साहू, सुरेखा गुप्ता हाई स्कूल, राजेंद्र वर्मा, श्रीमती बबीता सोनवानी, सरोज देवागन, श्रीमती सरिता झा, रविंद्र बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बीएसपी में बेहतर सुरक्षा के लिए लागू किए गए कई अभिनव सुरक्षा उपाय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 15 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जून के दौरान विभिन्न उत्पादन विभागों में अनेक अभिनव इंजीनियरिंग, डिजिटल एवं निवारक सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। इन पहलों का उद्देश्य परिचालन जोखिमों को कम करना लाइन ऑफ फायर' से जुड़े खतरों की रोकथाम करना तथा सुरक्षित एवं अधिक दक्ष कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है। कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स विभाग में वैगन टिपलर-07 पर उन्नत आईएफआर प्रोटेक्शन स्विच स्थापित किया गया है, जबकि एसएमएस-2 में आरएच डीगैसर प्री-हीटिंग सिस्टम में पायलट बर्नर आधारित इग्निशन प्रणाली लागू की गई है। इसके साथ ही 'लाइन ऑफ फायर' जोखिम वाले क्षेत्रों में स्पष्ट डिमार्केशन कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया गया है। एसएमएस-3 में कन्वेयर च्यूट पर जैम लिमिट स्विच, सिंटर प्लांट-3 में बेल्ट कन्वेयर पर साइड गार्डिंग तथा ओर हैंडलिंग प्लांट में स्टैकर-रिक्लेमर पर पोर्टेबल व्हील-लॉकिंग स्किड लगाए गए हैं। इन उपायों से उपकरणों की सुरक्षा, परिचालन की विश्वसनीयता और कर्मचारियों की सुरक्षा में वृद्धि हुई है।

लंबित वित्तीय प्रकरणों का निराकरण, निगम कर्मचारियों को मिली बड़ी राहत

दुर्ग,15 जुलाई। नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त के विशेष प्रयासों एवं सकारात्मक पहल से निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित वित्तीय प्रकरणों का निराकरण किया गया है। मई 2026 तक की जीपीएफ, एनपीएस, उपादान (ग्रेच्युटी) एवं अवकाश नकदीकरण की देय राशि संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के बैंक खातों में जमा कराई गई है।

इस पहल के अंतर्गत जीपीएफ राशि रुपये 31,77,308, एनपीएस राशि ?36,60,544, अवकाश नकदीकरण राशि ?54,57,296 एवं उपादान (ग्रेच्युटी) राशि ?41,32,662 सहित कुल ?1,64,23,810 की राशि का भुगतान किया गया है।

जनप्रतिनिधियों ने शासकीय उमा शाला में 53 छात्राओं को साइकिल वितरण किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 15 जुलाई। शासन की महत्वाकांक्षी योजना अंतर्गत आज शहीद तरुण देशमुख शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोपली में कक्षा 9वीं के छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया।जनप्रतिनिधियों ने छात्राओं को साइकिल की चाबी एवं वितरण पत्र सौंपकर शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री साइकिल वितरण योजना ग्रामीण अंचल की बेटियों के लिए वरदान साबित हो रही है। इससे बच्चियों को स्कूल आने-जाने में सुविधा होगी और शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। छात्राओं से नियमित स्कूल आकर मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की। इस अवसर पर जनपद सदस्य बिंदु देशलहरे,सरपंच मंजू वर्मा,शाला विकास समिति अध्यक्ष बाबूलाल सपहा,प्राचार्य वीना दुबे,सांसद प्रतिनिधि फत्तेलाल वर्मा,अखिलेश चंद्राकर,रमेश वर्मा,टूमन चंद्राकर,अरुण खुटेल,शिक्षक शिक्षिका एवं पालकगण उपस्थित थें।

क्षमता विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए लर्निंग चैंपियंस सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 15 जुलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा संगठन में निरंतर सीखने, ज्ञान साझाकरण और क्षमता विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संगठनात्मक अधिगम और क्षमता विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान करते हुए कहा कि निरंतर सीखना और कौशल विकास संगठनात्मक उत्कृष्टता की आधारशिला हैं तथा बदलते औद्योगिक परिवेश में सक्षम एवं ज्ञान-संपन्न मानव संसाधन का विकास समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जबकि समन्वय उप प्रबंधक सुष्मिता पाटला ने किया।

स्वच्छता दीदियों का सम्मान, सुरक्षा उपकरण वितरण एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित

भिलाई, 15 जुलाई। नमस्ते दिवस के अवसर पर नगर निगम के जोन-1 नेहरू नगर स्थित एसएलआरएम सेंटर में कार्यरत स्वच्छता दीदियों के सम्मान एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के उद्देश्य से सुरक्षा उपकरणों का वितरण किया गया। साथ ही उनके स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त सह जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया ने कहा कि स्वच्छता दीदियां शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का ध्यान रखना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी स्वच्छता कर्मियों से सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता के साथ-साथ व्यक्तिगत सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। वहीं, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना ने सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी देते हुए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

30 पौवा शराब सहित युवक गिरफ्तार

भिलाई, 15 जुलाई (तछसं.)। भिलाई अवैध रूप से शराब का परिवहन करने वाले एक आरोपी को उतई थाने पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपी के पास से 30 पौवा देसी मसाला शराब, बिक्री की रकम एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई है उतई पीआई मोहन भरद्वाज ने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल में अवैध शराब रखकर अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से पतोरा बस्ती, उतई पाटन रोड किनारे शराब का अवैध परिवहन कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी करते हुए आरोपी को पकड़ा आरोपी गजेंद्र ठाकुर (35 साल) निवासी वार्ड 11 ग्राम धौराभाठा थाना उतई के कब्जे से काले रंग की थैली में रखी 30 पौवा देशी मसाला शोले शराब रकम एवं मोटरसाइकिल को जब्त किया गया है आरोपी के खिलाफ धारा 34 (2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया ।

समाचार संक्षेप

मोटर साइकिल चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 15 जुलाई। भिलाई तीन जिलों में मोटर साइकिल चोरी करने वाले अंतरजिला चोर को जामुल थाने पुलिस ने रायगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थानों पर खड़ी मोटर साइकिलों को चिन्हित कर मौका पाकर चोरी करता था तथा चोरी के वाहनों को अन्य जिलों में ले जाकर छिपाकर रखता था इस से पुलिस की निगरानी से बच सके। पूछताछ में आरोपी ने भिलाई, रायपुर एवं बिलासपुर क्षेत्र से कुल 03 मोटर साइकिल चोरी करना स्वीकार किया, जिन्हें बरामद किया गया है जामुल पुलिस ने बताया कि प्रार्थी युगल पटेल ने थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज करायी कि 1 जून को उसका भाई कुणाल पटेल मोटर सायकल यामाहा आर-15 से कैलाश नगर सामान खरीदने गया था सामान खरीदने के बाद वापस लौटने पर अज्ञात व्यक्ति ने मोटर साइकिल चोरी कर ली गई थी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना जामुल में धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही आनंदी मंडल (32 साल) निवासी पराधीपाली शंकरमा, जिला संबलपुर (ओडिशा), हाल-ग्राम दर्राभाठा रिसोड़ा, थाना सरिया जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ को थाना चक्रधर नगर रायगढ़ क्षेत्र से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की पूछताछ में आरोपी ने कैलाश नगर, भिलाई से उक्त मोटर सायकल चोरी करना स्वीकार किया साथ ही लगभग दो वर्ष पूर्व बिलासपुर से होंडा साइन तथा लगभग 20-25 दिन पूर्व रायपुर क्षेत्र से केटीएम मोटर सायकल चोरी करना भी स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर चोरी की गई तीनों मोटर साइकिल बरामद की गईं।

एक नजर

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का जन्मदिन मनाया कांग्रेसजनों ने

डोंगरगढ़ 15 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ब्लाक शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के जन्मदिवस के अवसर पर उनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए मां बम्लेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल वितरण किया गया। इस दौरान ब्लाक शहर कांग्रेस अध्यक्ष हरीश भंडारी संध्या देशपांडे धीरज मेश्राम अनिल मेश्राम शिशुपाल भारती बबलु शांडिल्य ललिता साखरे निधी गजभिए किरण मेश्राम प्रमोद टेम्भुर्णीकर रिम्मी भाटिया एडविन हैदर रामजी तराने शिव निषाद संजय यादव प्रमोद ठाकुर नरेश करसे सूरज साहू रमेश साखरे संजय फुले मयूर हथेल जगतारण यादव रवि राय वसीम खान रोशन यादव महेश बोरकर पप्पु इंदुरकर केशव टांडी प्रशांत काड़े राहुल यादव दिव्यांश ठाकुर गणेश यादव अजय मानिकपुरी सागर साहु टिकाराम कुणाल यादव रोहन नेताम सुरेन्द्र अम्बादे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

बलौदाबाजार, 15 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। खरीफ2026 सीजन के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की अधिसूचना जारी कर दी गई है। बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने जिले के किसानों से अपील की है कि इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव को देखते हुए सभी ऋणी एवं अऋणी किसान अपने फसलों का शत् प्रतिशत बीमा अनिवार्य रूप से कराएं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत किसानों के फसल के बाधित रोपाई,रोपण जोखिम, स्थानीय आपदाओं,फसल कटाई के उपरान्त होने वाले नुकसान से फसल को होने वाली क्षति के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करना और खेती को एक सुरक्षित व लाभकारी व्यवसाय बनाना है। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वचालित रूप से कर दिया जाएगा, लेकिन अऋणी कृषकों को कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी,बीमा कम्पनी के ब्लॉक प्रतिनिधि,ग्राहक सेवा केन्द्र, संबंधित बैंक से सम्पर्क कर बीमा करा सकते है। खरीफ वर्ष 2026 में मुख्य फसल धान सिंचित के लिए प्रति हेक्टेयर 66000 रूपये और धान असिंचित फसल के लिए 49500 रूपये प्रति हेक्टेयर की क्षतिपूर्ति राशि निर्धारित की गई है, जिसकी प्रीमियम राशि 2 प्रतिशत कृषक अंश के रूप धान सिंचित के लिए 1320 रुपये प्रति हेक्टेयर एवं धान असिंचित के लिए 990 रुपये प्रति हेक्टेयर होगी शेष प्रीमियम राशि केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा देय होगा। खरीफ2026 हेतु अधिसूचित फसलें-धान सिंचित,असिंचित के अलावा फसल सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द एवं कोदो भी अधिसूचना में शामिल है, जिसका भी कृषक बीमा करा सकते है। फसल बीमा हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम् आधार कार्ड की कॉपी,नवीनतम् भूमि प्रमाण पत्र,बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिसमें खाता क्रमांक एवं आई.एफ सी. कोड,बैंक का पता साफ दिख रहा हो, फसल बुवाई प्रमाण पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का घोषणा पत्र,किसान का वैध मोबाईल नम्बर,बंटाईदार,कास्तकार,साझेदार किसानों के लिए फसल साझा, कास्तकार का घोषणा पत्र। फसल बीमा उपरांत फसल क्षति जानकारी दर्ज करने हेतु 72 घंटे के भीतर कृषि रक्षक पोर्टल व हेल्पलाईन नम्बर 14447 में कर सकते हैं। साथ ही किसान अपने क्षेत्रीय कृषि विभाग, राजस्व विभाग, संबंधित बैंक या बीमा कम्पनी को भी तय समय सीमा में सूचित कर सकते है।

जनदर्शन में दिव्यांग नोहर दास को त्वरित रूप से मिली ट्राइसाइकिल

बलौदाबाजार, 15 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल और जनदर्शन कार्यक्रम के त्वरित निराकरण का एक और उदाहरण सामने आया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने जनदर्शन में दिव्यांग नोहर दास बघेल को ट्रायसिकल प्रदान किया। ग्राम बलौदी, विकासखंड पलारी निवासी नोहर दास बघेल ने जनदर्शन में पहुंचकर कलेक्टर कुलदीप शर्मा के समक्ष अपनी दिव्यांगता से जुड़ी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि एक दुर्घटना में उनका दायां पैर कट जाने के कारण उन्हें दैनिक आवागमन और सामान्य कार्य करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री शर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के पालन में समाज कल्याण विभाग द्वारा उसी समय नोहर दास बघेल को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई।

ट्राइसाइकिल मिलने से प्रसन्न नोहर दास बघेल ने कहा कि अब उन्हें आने-जाने और अपने दैनिक कार्यों को करने में काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने उनकी परेशानी को समझते हुए तत्काल सहायता प्रदान की, जिसके लिए वे कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों की समस्याओं का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निराकरण किया जा रहा है, जिससे आमजन का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो रहा है।

कलेक्टर की सख्ती जारी: कातलवाही में दूसरी जैविक खाद इकाई पर छापा, मशीनें और सामग्री जब्त

- एसडीएम विश्वास कुमार के मार्गदर्शन में कृषि विभाग की कार्रवाई, नकली व अवैध खाद निर्माण पर प्रशासन का कड़ा रुख

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 15 जुलाई। डोंगरगढ़ किसानों के हितों की सुरक्षा और नकली एवं अवैध खाद के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर श्री जितेंद्र यादव के निर्देश एवं डोंगरगढ़ एसडीएम श्री विश्वास कुमार के मार्गदर्शन में कृषि विभाग की टीम ने ग्राम कातलवाही स्थित एक अन्य जैविक खाद निर्माण इकाई पर छापामार कार्रवाई करते हुए खाद निर्माण में प्रयुक्त मशीनें और सामग्री जब्त कर ली।

प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, निरीक्षण के दौरान टीम को ऐसी सामग्री एवं उपकरण मिले जिनका उपयोग जैविक खाद निर्माण में किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में संबंधित इकाई में नियमों के उल्लंघन की आशंका के आधार पर मशीनों और खाद निर्माण सामग्री को जब्त कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

जिला कलेक्टर श्री जितेंद्र यादव ने कृषि विभाग, राजस्व विभाग तथा जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि किसानों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। यदि कहीं नकली या अवैध खाद का निर्माण, भंडारण अथवा परिवहन होने की सूचना मिले तो तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच करें और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा है कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को केवल गुणवत्ता युक्त एवं अधिकृत खाद-बीज ही उपलब्ध कराया जाए। नकली या अमानक कृषि आदानों के कारोबार में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कृषि आदान संबंधी प्रावधानों और अन्य लागू कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डोंगरगढ़ एसडीएम विश्वास कुमार के निर्देशन में कृषि विभाग की टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई को प्रशासन की सतत निगरानी अभियान का हिस्सा बताया जा रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि आगे भी जिलेभर में निरीक्षण अभियान जारी रहेगा, ताकि किसानों के हितों की रक्षा की जा सके और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

वार्ड नं. 47 मोहारा को मिली 1.50 करोड़ से अधिक की सौगात

- पाइप लाइन विस्तार, मुक्तिधाम उन्नयन एवं रोड नाली निर्माण के लिए
- महापौर ने किया भूमिपूजन
- श्रीफल से तौलकर वार्डवासियो ने महापौर का जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 15 जुलाई। वार्ड विकास की कडी में वार्ड नं. 47 मोहारा में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने 1.50 करोड से अधिक की राशि शासन से स्वीकृति मिली। जिसके अंतर्गत मुक्तिधाम उन्नयन, पाईप लाईन विस्तार एंव रोड नाली निर्माण कार्य कराया जायेगा। उक्त कार्य के लिए वार्ड मे आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने वार्डवासियो की भीड के बीच भूमिपूजन किया। भूमिपूजन के दौरान महापौर को श्रीफल से तौला गया। इस अवसर पर छ.ग. केश शिल्प कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री देवशरण सेन, लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा, शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य व वार्ड पार्षद श्री अलोक श्रोती,पार्षद श्री चंद्रशेखर लश्करे, श्री सतीश साहू, श्री संजय रजक, पूर्व पार्षद श्री शरद सिन्हा व श्री विजय राय, पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव, विशेष रूप से उपस्थित थे।

महापौर श्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के सभी जिलो में विकास कराने कटिबद्ध है। इसी परिप्रेक्ष्य में नगर निगम राजनांदगांव में भी विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद श्री संतोष पाण्डे के प्रयास से वार्डो में विकास कार्य के लिए राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मोहारा वार्ड में 1.50 करोड से अधिक के विकास कार्य कराने आज भूमिपूजन किया जा रहा है। जिसके तहत मोहारा में रोड नाली के अलावा मुक्तिधाम उन्नयन एवं पाईप लाईन विस्तार के महत्वपूर्ण कार्य होगे। उन्होंने कहा कि बस्ती के उचाई के भाग में पानी की बहुत समस्या थी, अब लगभग 80 लाख से पाईप लाईन विस्तार हो जाने से भविष्य में पानी की समस्या से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि मोहारा सहित शहर के अन्य वार्डो में विकास कार्य के लिए राशि उपलब्ध कराने पर मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह,नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव, प्रभारी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव एंव सांसद श्री संतोष पाण्डे का आभार व्यक्त करता हॅ। साथ ही वार्डवासियो द्वारा मुझे श्रीफल से तौलने पर मोहारा वासियो का भी मै आभार व्यक्त करता हूॅ।

मोहारा आगमन पर नागरिको ने महापौर सहित अतिथियो का बाजा गाजा के साथ स्वागत किया तथा भूमिपूजन पश्चात महापौर को श्रीफल से तौलकर आभार व्यक्त किया। वार्ड पार्षद श्री आलोक श्रोती ने कहा कि इतनी बड़ी राशि से वार्ड में विकास की गंगा बहाने खासकर वर्षो पुरानी पानी की समस्या से निजात दिलाने पर मैं महापौर सहित शासन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूॅ। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता (संविदा) श्री यू.के.रामटेके, सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, उप अभियंता श्रीमती दुर्गा कवर एवं निगम का अमला सहित वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शासकीय नेहरू कॉलेज डोंगरगढ़ का स्नातक अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 15 जुलाई। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ के सत्र 2025-26 के स्नातक अंतिम वर्ष (बी.ए., बी.कॉम. एवं बी.एससी.) का परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्कृष्ट रहा। तीनों संकायों में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर नगर एवं महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बी.ए. अंतिम वर्ष में 72 छात्र एवं 133 छात्राएं, कुल 205 नियमित परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। इनमें से 151 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में 18 ने प्रथम श्रेणी तथा 122 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। बी.ए. का कुल परीक्षा परिणाम 73.66 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार बी.कॉम. अंतिम वर्ष में 34 छात्र एवं 46 छात्राएं, कुल 80 नियमित परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें 63 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनमें 3 ने प्रथम श्रेणी तथा 56 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। बी.कॉम. का परीक्षा परिणाम 78.75 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं बी.एससी. अंतिम वर्ष में 26 छात्र एवं 75 छात्राएं, कुल 101 नियमित परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 94 विद्यार्थी सफल रहे। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में 41 ने प्रथम श्रेणी तथा 53 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। बी.एससी. का परीक्षा परिणाम 93.07 प्रतिशत रहा, जो तीनों संकायों में सर्वाधिक रहा। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने सभी सफल विद्यार्थियों, विशेष रूप से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने महाविद्यालय के कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के समस्त सहायक प्राध्यापकों एवं अतिथि व्याख्याताओं का बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन और विद्यार्थियों की सफलता में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

शराब में सुहागा मिलाकर 8 ग्रामीणों की हत्या की गुत्थी सुलझाने वाली टीम का एसपी ने किया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 15 जुलाई। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में घटित अत्यंत संवेदनशील और सनसनीखेज अपराधों की गुत्थी सुलझाने वाली पुलिस टीम का मनोबल बढ़ाने के लिए आज दिनांक 14.07.2026 को पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. शर्मा द्वारा कसडोल में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने थाना कसडोल के अंतर्गत बहुचर्चित 'ग्राम पुराना खर्वे सुहागा जहर कांड' में उत्कृष्ट एवं अत्यंत सूक्ष्म विवेचना करने वाली पूरी पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र तथा नकद पुरस्कार से सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। क्या था मामला- आरोपी रामसहाय जायसवाल (निवासी पुराना खर्वे) ने पुरानी रंजिश और द्वेष की भावना के चलते एक सोची-समझी साजिश के तहत गांव के 8 ग्रामीणों को शराब में सुहागा (जहर) मिलाकर पिला दिया था, जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी और परिजनों द्वारा शवों का कफन-दफन भी कर दिया गया था। ?परिजनों द्वारा हत्या की आशंका जताने पर कसडोल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शवों को कब्र से बाहर निकालने (शव उत्खनन) की अनुमति प्राप्त की, शवों का विधिवत पंचनामा व पी.एम. कराया और वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस की मुस्तैदी से आरोपी को जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया। पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. शर्मा द्वारा सम्मान व सराहना: ?इस बेहद पेचीदा और अंधे कत्ल के मामलों में कसडोल पुलिस की टीम ने दिन-रात एक कर, अत्यंत लगन, पेशेवर रुख और कड़ी मेहनत से कार्य करते हुए साक्ष्य संकलित किए थे। अधिकारियों व कर्मचारियों के इसी उत्कृष्ट कार्य और कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. शर्मा ने स्वयं कसडोल पहुंचकर पूरी टीम के उत्साहवर्धन हेतु उन्हें नगद इनाम व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसी सूक्ष्म और वैज्ञानिक विवेचना से न केवल अपराधियों में खौफपैदा होता है, बल्कि आम जनता का पुलिस और न्याय व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत होता है।

रास्ता रोककर कड़े और हाथ-मुक्के से मारपीट कर लूटपाट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़!

बलौदाबाजार 15 जुलाई। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में राहगीरों से लूटपाट, मारपीट और गुंडागर्दी करने वाले तत्वों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक श्री ह्.क्क शर्मा के कुशल निर्देशन में एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। थाना गिधौरी टुण्डरा पुलिस ने राहगीर का रास्ता रोककर, जान से मारने की धमकी देकर चांदी के जेवरात लूटने वाले गिरोह के 03 आरोपी को वारदात के चंद घंटों के भीतर ही धर दबोचा है। घटना का संक्षिप्त विवरण: प्रार्थी पंकज कुमार वर्मा (उम्र 20 वर्ष, निवासी नवीन अमलीडीह) ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 12.07.2026 की रात्रि करीब 09:10 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल (छ्त्त 11 क्च्य 2445) से अपने गांव लौट रहा था। करीब 09:35 बजे ग्राम बरपाली फ्लाईऐश ईंट भट्टे के पास पहुंचने पर, पीछे से आ रही एक होंडा साईन मोटरसाइकिल (छ्त्त 22 ड्ड 1127) में सवार तीन लड़कों ने ओवरटेक कर प्रार्थी की गाड़ी का रास्ता रोक लिया।

16 जुलाई को निकलेगी भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 15 जुलाई। श्री महावीर मंदिर के महंत साकेत बिहारी दास ने नगरवासियों एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं से आगामी 16 जुलाई गुरुवार को आयोजित होने वाली भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह रथ यात्रा वर्षों से चली आ रही धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक है, जिसमें शामिल होकर श्रद्धालु महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के दर्शन एवं आशीर्वाद का पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। महंत साकेत बिहारी दास ने बताया कि इस अवसर पर महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी अपने ज्येष्ठ भ्राता बलभद्र जी एवं भगिनी सुभद्रा जी के साथ दिव्य रथ पर आरूढ़ होकर नगर भ्रमण करेंगे। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान के दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा तथा वे प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। रथ यात्रा 16 जुलाई गुरुवार को दोपहर 12 बजे श्री महावीर मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होगी। यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकलेगी, जहां श्रद्धालु पुष्पवर्षा एवं भक्ति-भाव के साथ भगवान का स्वागत करेंगे। रथ यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, जयघोष और धार्मिक वातावरण से पूरा नगर भक्तिमय हो उठेगा। महंत साकेत बिहारी दास ने सभी श्रद्धालुओं से अपने परिवार, मित्रों एवं इष्टजनों के साथ रथ यात्रा में शामिल होकर इस पावन परंपरा को और अधिक भव्य एवं सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि धर्म, संस्कृति और आस्था के इस महापर्व में प्रत्येक श्रद्धालु की सहभागिता समाज में एकता, भाईचारे एवं सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण का संदेश देती है।

नेहरू स्टेडियम मॉर्निंग वॉक ग्रुप का प्रथम स्थापना दिवस हँसी, गीत और भाईचारे के साथ मनाया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 15 जुलाई। कहते हैं कि जो सुबह उठता है, वही जीवन का असली आनंद उठाता है। इसी सोच को साकार करते हुए नेहरू स्टेडियम मॉर्निंग वॉक ग्रुप ने अपने गठन का एक वर्ष पूर्ण होने पर दिनांक 12 जुलाई 2026 (रविवार) को सायं 7:30 बजे स्वागतम होटल, डोंगरगढ़ में प्रथम स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम में ग्रुप के अध्यक्ष श्री राकेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य तथा नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष श्री रमन डोंगरे, श्री गोपाल महोबिया डेरा प्रमुख एवं ग्रुप के सभी उत्साही सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में ग्रुप के वक्ताओं ने नियमित मॉर्निंग वॉक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह ग्रुप केवल पैदल चलने वालों का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, मित्रता, अनुशासन, अपनापन और हँसी का चलता-फिरता परिवार बन चुका है। यहाँ उम्र, जाति, धर्म और पेशे की कोई दीवार नहीं है—सुबह सबका परिचय केवल एक ही होता है, ÷हम मॉर्निंग वॉकर हैं।÷

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चाँद लगा दिए। श्री गोपाल दम्मानी, श्री अमृत टांक, श्री बल्ला सोनी, श्री मनोज दम्मानी एवं श्री संजीव वशिष्ठ ने पुराने सदाबहार गीतों से ऐसा समाँ बाँधा कि कई सदस्यों के कदम फिर से मॉर्निंग वॉक की लय में थिरकने लगे। बीच-बीच में गूँजते ठहाकों ने यह साबित कर दिया कि यह ग्रुप केवल कैलोरी ही नहीं, तनाव भी कम करता है।

कार्यक्रम का आकर्षक एवं हास्यपूर्ण संचालन श्री सिद्धार्थ नागदेवे ने किया, जिसने पूरे समारोह को जीवंत बनाए रखा।

ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पिछले एक वर्ष में इस परिवार ने न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई, बल्कि भाईचारे, सहयोग, आत्मीयता और सामाजिक समरसता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जिसकी चर्चा पूरे शहर में होती है। सुबह की सैर से शुरू हुई यह यात्रा अब एक ऐसे परिवार में बदल चुकी है, जहाँ हर सदस्य दूसरे की खुशी और स्वास्थ्य का साथी है।

समारोह के अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि आने वाले वर्षों में और अधिक लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे तथा इसी उत्साह और एकता के साथ ग्रुप को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे। उक्त जानकारी ग्रुप के कोषाध्यक्ष श्री भुनेश्वर वैष्णव (दाऊजी) द्वारा प्रदान की गई।

बिजली दरों में बढ़ोतरी से सिमगा की जनता परेशान

सिमगा 15 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बिजली दरों में हालिया बढ़ोतरी के बाद सिमगा क्षेत्र के लोगों में चिंता और असंतोष देखा जा रहा है। बढ़े हुए बिजली बिलों का असर घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ छोटे व्यापारियों और किसानों पर भी पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि महंगाई पहले से ही बढ़ी हुई है, ऐसे में बिजली की बढ़ी हुई लागत से परिवार का मासिक बजट प्रभावित हो रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, पिछले कुछ समय से बिजली बिलों में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे आर्थिक दबाव बढ़ गया है। छोटे दुकानदारों का कहना है कि बिजली खर्च बढ़ने से कारोबार की लागत भी बढ़ रही है। वहीं किसानों का कहना है कि सिंचाई और कृषि कार्यों में बिजली का खर्च बढ़ने से खेती करना और अधिक महंगा हो गया है। क्षेत्र के कई लोगों ने संबंधित अधिकारियों से बिजली दरों की समीक्षा करने तथा उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द कोई समाधान नहीं निकाला गया, तो आम लोगों की आर्थिक परेशानियां और बढ़ सकती हैं। हालांकि, इस संबंध में बिजली विभाग की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया मिलने का इंतजार है। विभाग का पक्ष सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

हादसे रोकना सिर्फ यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है

कानून जनता की भलाई के लिए बनाए जाते हैं। इसका पालन करना जनता की जिम्मेदारी है यानी एक तरह से सभी की जिम्मेदारी है, एक तरह से यह सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार कानून बनाती है तो मान लिया जाता है कि उसका पालन करवाना सरकार या सरकारी विभागों की जिम्मेदारी है।ऐसा सोचने वाले यह भूल जाते हैं कि यह कानून सरकार अपने या सरकारी विभाग के फायदे के लिए, उनके भले के लिए नहीं बनाती है।वह कानून बनाती है कि जनता से मांग की जाती है कि इस तरह की घटना हो रही है तो इसके लिए सरकार व सरकारी विभाग को कानून बनाना चाहिए ताकि इस तरह की कोई घटना न हो। जनता व समाज में इस बात को लेकर चिंता हुई कि हादसे में बड़ी संख्या में नाबालिग भी मारे जा रहे हैं। समाज व संगठनों ने सरकार या सरकारी विभाग को अपन चिंता से अवगत कराया। सरकार व सरकारी विभाग ने इसका कारण जानने का प्रयास किया तो उसे पता चला कि हादसों में नाबालिगों के मारे जाने का एक प्रमुख कारण तो यह है कि बच्चों के घरवाले उनको चलाने के लिए वाहन दे रहे हैं। यानी सड़क पर नाबालिग बच्चों के वाहन चलाने के कारण हादसे हो रहे है और नाबालिग मारे जा रहे हैं। सरकार व सरकारी विभाग ने नियम बना दिया कि पालक अपने बच्चों को सड़क पर चलाने के लिए वाहन न दें। ऐसा करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह नियम कोई कई साल से है और हर साल नाबालिगों की हादसे में मौत होती है तो इसे रोकना यातायात विभाग की ही जिम्मेदारी नहीं है। पालको की भी जिम्मेदारी है,नाबालिग बच्चों की भी जिम्मेदारी है। यातायात हर साल स्कूल शुरू होने के पहले अपील करता है कि पालक अपने बच्चों को सड़क पर चलाने के लिए वाहन न दें। वह ऐसा करते हैं, इसलिए हादसे होते हैं और सड़क पर नाबालिग मारे जाते हैं। परिवार की गलती के कारण परिवार को नुकसान होता है लेकिन इससे परिवार व पालक कोई सबक नहीं लेते हैं, वह सोचते हैं कि हादसे में हमारा बच्चा नहीं मारा जाएगा, हादसे में कोई नाबालिग मारा जाता है तो वह सोचते हैं हमारा बच्चा तो नहीं मारा गया है, हमारा बच्चा हादसे में नहीं मारा जा सकता। हर परिवार इसी तरह सोचता है और हर साल स्कूल जाने के लिए निकला किसी न किसी बच्चा सड़क हादसे में मारा जाता है और लोग इसके लिए यातायात विभाग को दोषी मानते हैं कहते हैं कि यातायात विभाग अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाता है. हकीकत यह है कि यातायात विभाग तो हर साल परिवारों व पालको से अपील करता है कि बच्चों को स्कूल जाने के लिए वाहन न दें। स्कूल प्रबंधन से भी कहा जाता है कि बच्चे वाहन में स्कूल आते हैं तो उनको रोका जाए। स्कूल में बच्चों को प्रवेश न करने दिया। इस साल भी यातायात विभाग ने परिवारों से अपील कर दी है बच्चों को वाहन से स्कूल न भेजें और स्कूल प्रबंधन से भी कह दिया है कि बच्चे वाहन चलाते हुए स्कूल आते हैं तो उनको स्कूल में प्रवेश न करने दिया। न परिवारों ने इस तरफ ध्यान दिया और न स्कूल प्रबंधन ने ध्यान दिया। स्कूल बच्चे वाहन से आते दिखे और स्कूल प्रबंधन ने भी उनको स्कूल में प्रवेश से नहीं रोका। इससे तो साफ हो जाता है कि परिवार और स्कूल अपने बच्चों के हादसे मे मारे जाने को लेकर चितित नहीं हैं। इसका मतलब तो यह भी निकाला जा सकता है कि वह न तो सोचते हैं और न ही मानते हैं कि बच्चों को हादसे से बचाना उनकी जिम्मेदारी है। वह सोचते और मानते हैं कि यह काम तो सरकार व सरकारी विभाग का है। यानी सरकार और सरकारी विभाग नियम भी बनाए और उसका पालन भी कराए। लोग नियम पालन नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। सरकारी विभाग के आंकड़ों से साफ हो जाता है कि सरकारी विभाग कानून का पालन नहीं करने पर कार्रवाई भी करता है लेकिन लोग फिर भी कानून का पालन नहीं करते हैं। यही वजह है कि 26 में 100 नाबालिगों पर कार्रवाई की गई, इसके बाद भी हादसों में 30 नाबालिगों की मौत हो चुकी है,78 घायल हुए हैं।2025 में यातायात विभाग ने 56359 लोगों का चालान किया,2026 में अब तक 94080 लोगों का चालान किया जा चुका है। यातायात विभाग बिना लायसेंस वालों पर एक हजार,तीन सवारी बिठाने पर 500 रुपए,लापरवाही से वाहन चलाने पर 1000 रुपए जुर्माना करता है। यातायात विभाग जो कर सकता है कर रहा है और परिवारों व स्कूल प्रबंधन को जो करना चाहिए,नहीं कर रहे हैं।

चर्चित मुद्दा

राम मंदिर दान लूट : कुतर्कों की इंतेहा ?

निर्मल रानी

प्रभु श्री राम मंदिर,अयोध्या में दान व चढ़ावे के पैसों व बहुमूल्य वस्तुओं की कथित लूट जैसे शर्मनाक कृत्य की चौतरफ़ा निंदा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चंदा व चढ़ावा चोरी मामले में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट दाख़िल करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और घोर निंदनीय बताते हुये कहा है कि दानपात्र से हुई चोरी ने 'पूरे हिंदू समाज' और राम भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है जिससे संघ परिवार भी पूरी तरह आहत है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि इस 'महापाप' में शामिल हर एक दोषी को कठोरतम सज़ा मिलनी चाहिए और चंदे की पवित्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता। संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आस्था का मामला है परन्तु सुप्रीम कोर्ट व संघ की चिंताओं से इतर एक वर्ग ऐसा भी है जो इस बेहद अफ़सोसनाक मामले पर भी राजनीति का ऐसा लेप चढ़ाने की कोशिश कर रहा है जिससे विषय की गंभीरता को कम किया जा सके और भक्तों का ध्यान दूसरी तरफ़ भटकया जा सके। उदाहरणार्थ राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर सनातन धर्म, राम भक्तों की आस्था और अयोध्या की छवि को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। योगी ने कहा कि विपक्ष एक 'छोटी सी घटना' को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भारत की आस्था, अयोध्या की विरासत और प्रभु राम के नाम पर हमला करने का जैसे "ठेका" ले रखा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था, वे आज मंदिर के चंदे के नाम पर मचल रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज राम मंदिर की पवित्रता पर सवाल उठा रहे हैं ? मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की ग़लती की वजह से पूरे ट्रस्ट या अयोध्या को कटघरे में खड़ा करना ग़लत है। उधर स्वयं को 'हिंदू रक्षा दल' का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाला ग़ाज़ियाबाद का एक व्यक्ति जिसने एक सार्वजनिक लंगर के दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति हाथों से प्रसाद की थाली यह कहकर छीन ली थी कि 'यह लंगर मुल्लाओं के लिये नहीं'। इसी व्यक्ति ने अब राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी के मामले पर बेहद विवादित और अजीबोग़रीब बयान दिया है। उस ने इस मामले में आरोपियों का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि "मंदिर हमारा है, चंदा हमारा है और अगर हमारे ही लोगों अर्थात हिंदुओं ने पैसा ले भी लिया है, तो विपक्ष या दूसरों को इससे क्या परेशानी है? दूसरों को क्यों मिर्ची लग रही है? इस ने तर्क दिया कि राम मंदिर में चंदा या दान देने वाले लोग भी भगवान राम में अटूट विश्वास रखते हैं और जिन लोगों ने यह पैसा निकाला है, वे भी भगवान राम के ही भक्त हैं। उसने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही दान का कुछ पैसा उन आरोपियों के घरों तक पहुँचा है, इसलिए इस पर किसी को भी सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, "हिंदुओं का पैसा तो हिंदुओं के पास ही रहा"? उस ने उल्टे विरोधियों से ही सवाल पूछा कि "तुमने राम मंदिर में कितना चंदा दिया है?" उसके अनुसार 'जिन्होंने मंदिर में एक रुपया भी दान नहीं दिया, उन्हें इस मुद्दे पर बोलने या सवाल उठाने का कोई हक़ नहीं है।' चंदा लूट व चोरी को जायज़ ठहराने वाली और भी कई बातें इस नफ़रती शख़्स ने कीं। इसी तरह अयोध्या के ही तपस्वी छावनी के पीठाधीश जगतगुरु परमहंस आचार्य ने इस मामले में आरोपियों की सज़ा को लेकर एक जातिगत और पक्षपातपूर्ण व विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव को तो फांसी की सज़ा होनी चाहिए। जबकि मामले में शामिल अन्य कथित उच्च जाति के अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा,अविनाश शुक्ला,लवकुश मिश्रा व करुणेश पांडे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि "बाक़ी सबको छह-छह महीने की सज़ा देकर छोड़ देना चाहिए"। उनके इस जातिगत दुर्भावना पूर्ण बयान की भारी आलोचना हुई कि वे आस्था की इस बड़ी लूट में शामिल विशेष जाति के आरोपियों को केवल छह महीने की मामूली सज़ा देकर रफ़ा दफ़ा करना चाहते हैं इसी तरह सोशल मीडिया पर भी भारतीय जनता पार्टी और दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ कट्टरपंथियों और समर्थकों द्वारा इस विमर्श को बढ़ावा दिया जा रहा है कि "हम(हिन्दू) आपस में निपट लेंगे" । विपक्ष के अनुसार "भाजपा के गुर्गे" मैदान में उतर आए हैं, जो कह रहे हैं कि "यह भाजपा, आरएसएस और राम भक्तों का निजी मामला है, उन्होंने ही चंदा दिया है, उन्होंने ही लिया है और वे आपस में निपट लेंगे"। इसमें किसी तीसरे या ग़ैर-हिंदू को बोलने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे लोगों का तर्क है कि चंदा चोरी पर सबसे ज़्यादा विपक्ष और गैर-हिंदू नेता छाती पीट रहे हैं। कुछ लोग तो यह कुतर्क भी दे रहे हैं कि यदि एक हिंदू भाई के पैसे का सुख दूसरा हिंदू भाई ले रहा है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इस नैरेटिव की चौतरफ़ा आलोचना हो रही है और मंदिर चंदा लूट को 'आपसी मामला' बताने

सू- दोकू क्र.100

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

[illegible]

सू-दोकू क्र.099 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	[illegible]	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

शब्द सामर्थ्य -100

बाएं से दाएं

[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

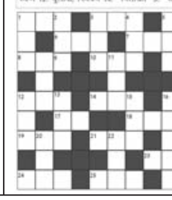

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 099 का हल

स्वास्थ्य क्षेत्र में जनभागीदारी का नया अध्याय

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत आज विकसित भारत- 2047 के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है,जहाँ आर्थिक प्रगति के साथ- साथ एक सुदृढ़,आधुनिक, वैज्ञानिक तथा जन-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण भी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं, बल्कि तेजी से उभरती हुई स्वास्थ्य महाशक्ति बनने की दिशा में भी निरंतर आगे बढ़ रहा है।किसी भी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद से नहीं मापी जाती, बल्कि उसके नागरिकों के स्वास्थ्य,अनुसंधान क्षमता, चिकित्सा नवाचार तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से भी आंकी जाती है। यही कारण है कि भारत सरकार का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निरंतर ऐसी नीतियाँ और कानून विकसित कर रहा है जो देश की स्वास्थ्य प्रणाली को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सशक्त बना सकें।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते इस आर्टिकल के माध्यम से आम जनता को यह जानकारी देना चाहूंगा कि अभी हाल ही में 8 जुलाई 2026 को जारी की गई डब्ल्यूएचओ-आईएआर सी ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन कैंसर 2026 क़ी कैंसर सुनामी 2050 की चेतावनी से दुनियाँ चिंतित हो गई है? इसके पहले हमने देखे क़ि कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनियाँ को यह स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी देश की वास्तविक ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता नहीं होती, बल्कि उसकी स्वास्थ्य व्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता और दवा प्रणाली की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।महामारी के दौरान भारत ने टीकों के अनुसंधान,उत्पादन और वैश्विक आपूर्ति में जो भूमिका निभाई, उसने दुनिया का ध्यान भारतीय वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया।इसी अनुभव के आधार पर अब भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रही है।इसी दिशा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति-2026 तथा राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक-2026 के मसौदे सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किए गए हैं।इन पर क्रमशः 27 जुलाई 2026 तथा 31 जुलाई 2026 तक नागरिकों वैज्ञानिकों, चिकित्सा विशेषज्ञों, फार्मासिस्टों, शिक्षाविदों,उद्योग जगत तथा अन्य हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि सरकार नीति निर्माण को केवल सरकारी प्रक्रिया न मानकर जनभागीदारी पर आधारित लोकतांत्रिक प्रक्रिया बनाना चाहती है।

साथियों,आज पूरी दुनियाँ स्वास्थ्य क्षेत्र में चौथी औद्योगिक क्रांति का अनुभव कर रही है।आर्टिफिशल इंटेलीजेंस,मशीन लर्निंग,जीन एडिटिंग,बिग डेटा, रोबोटिक सर्जरी, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड जैसी तकनीकें चिकित्सा व्यवस्था का स्वरूप बदल रही हैं। ऐसे समय में भारत यदि अपनी अनुसंधान नीति और फार्मेसी शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक नहीं बनाता, तो भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह सकता है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति-2026 का मूल उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान को नई दिशा देना है। कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया कि जिन देशों की वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता मजबूत होती है, वे महामारी, नई बीमारियों और स्वास्थ्य आपदाओं का सामना अधिक प्रभावी ढंग से कर सकते हैं। भारत ने भी कोरोना काल में वैक्सीन निर्माण, दवा उत्पादन तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की, किंतु इस अनुभव ने यह भी बताया कि अनुसंधान के लिए दीर्घकालिक निवेश, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, प्रशिक्षित वैज्ञानिक, गुणवत्ता पूर्ण डेटा तथा उद्योग एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है।नई नीति इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान को अधिक समन्वित, पारदर्शी,नैतिक तथा नवाचार- आधारित बनाने का प्रयास करती है।

साथियों, यह नीति केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य अनुसंधान को सीधे जनस्वास्थ्य से जोड़ना है।कैंसर,मधुमेह,हृदय रोग, मानसिक स्वास्थ्य, क्षय रोग, दुर्लभ बीमारियाँ,एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस,मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा वृद्धजन स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को प्राथमिकता देने का प्रस्ताव है। साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीनोमिक्स बायोटेक्नोलॉजी, डिजिटल हेल्थ, बिग डेटा तथा प्रिसिजन मेडिसिन जैसे आधुनिक क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देकर भारत को वैश्विक स्वास्थ्य नवाचार केंद्र बनाने का लक्ष्य भी इस नीति में दिखाई देता है। अनुसंधान में नैतिक मानकों का पालन, डेटा सुरक्षा, रोगियों के अधिकारों की रक्षा तथा वैज्ञानिक पारदर्शिता को भी नीति का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय फार्मेसी आयोग विधेयक-2026 भारत की फार्मेसी शिक्षा एवं पेशेवर नियमन में व्यापक सुधार का प्रयास है। आज भारत विश्व की फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड के रूप में प्रसिद्ध है। देश विश्व के अनेक देशों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएँ उपलब्ध कराता है। भारतीय औषधि उद्योग वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है, किंतु फार्मेसी शिक्षा, प्रशिक्षण, पंजीकरण व्यवस्था, व्यावसायिक नैतिकता तथा आधुनिक कौशल विकास में समय के साथ सुधार की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही थी। प्रस्तावित विधेयक इन्हीं कमियों को दूर करने का प्रयास करता है ताकि भारत में फार्मेसी शिक्षा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो सके।

साथियों,विधेयक का उद्देश्य केवल एक नया आयोग बनाना नहीं है,बल्कि पूरे नियामक ढाँचे का आधुनिकीकरण करना है। इसमें फार्मेसी शिक्षा कीगुणवत्ता बढ़ाने, आधुनिक पाठ्यक्रम लागू करने, डिजिटल पंजीकरण प्रणाली विकसित करने, राज्यों और केंद्र के बीच बेहतरसमन्वय स्थापित करने, फार्मासिस्टों के लिए सतत व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा मरीज-केंद्रित फार्मेसी सेवाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं। यदि ये सुधार प्रभावी रूप से लागू होते हैं तो देश में दवा वितरण व्यवस्था और अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक तथा सटिका से जवाबदेह बन सकती है।

साथियों, इन दोनों मसौदों का सबसे बड़ा लाभ आम नागरिकों को मिलेगा। मजबूत स्वास्थ्य अनुसंधान प्रणाली के कारण नई दवाओं, वैक्सीनों और उपचार पद्धतियों का विकास तेज होगा। रोगों की शीघ्र पहचान संभव होगी, उपचार अधिक प्रभावी होगा तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। फार्मेसी शिक्षा में सुधार से अधिक प्रशिक्षित और उत्तरदायी फार्मासिस्ट तैयार होंगे, जिससे दवाओं के सुरक्षित उपयोग, रोगियों को उचित परामर्श तथा नकली एवं निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं पर नियंत्रण में मदद मिलेगी। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने में भी सटीकता से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

साथियों, वैश्विक स्तर पर भी इन सुधारों का महत्व अत्यंतव्यापक है।वर्तमान समय में विश्वस्वास्थ्य अनुसंधान, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल हेल्थ, मेडिकल डिवाइस, वैक्सीन विकास तथा प्रिसिजन मेडिसिन के क्षेत्र में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। अमेरिका,ब्रिटेन, जर्मनी, जापान,दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों ने अनुसंधान एवं नवाचार को राष्ट्रीय विकास का आधार बनाया है। यदि भारत भी इन दोनों सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करता है तो वह वैश्विक क्लीनिकल रिसर्च, फार्मास्यूटिकल निर्माण,जैव- प्रौद्योगिकी तथा स्वास्थ्य नवाचार का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे विदेशी निवेश, रोजगार, निर्यात तथा वैज्ञानिक सहयोग के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे।

साथियों, हालाँकि, इन सुधारों की सफलता केवल कानून बनाने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए अनुसंधान पर पर्याप्त सार्वजनिक एवं निजी निवेश बढ़ाना होगा, ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसंधान सुविधाएँ विकसित करनी होंगी, मेडिकल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आधुनिक प्रयोगशालाएँ स्थापित करनी होंगी तथा युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहन देना होगा। साथ ही डेटा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, अनुसंधान नैतिकता, बौद्धिक संपदा अधिकार तथा रोगियों की गोपनीयता जैसे विषयों पर भी स्पष्ट और प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी होगी। फार्मेसी शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा आधुनिक तकनीकों का सटीकता से समावेश भी आवश्यक होगा।

साथियों, एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में सार्वजनिक सुझाव आमंत्रित करना केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है,बल्कि नीति निर्माण को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने का माध्यम है चिकित्सक,वैज्ञानिक,फार्मासिस्ट,शिक्षण संस्थान, अस्पताल, उद्योग संगठन, सामाजिक संस्थाएँ तथा आम नागरिक अपने अनुभवों के आधार पर ऐसे सुझाव दे सकते हैं जो भविष्य में इन नीतियों और कानूनों को अधिक उपयोगी बना सकें। यह जनभागीदारी ही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है।यदि सुझावों के आधार पर अंतिम नीति और विधेयक को व्यापक,व्यवहारिक तथा भविष्य उन्मुख स्वरूप दिया जाता है तो भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था नई ऊँचाइयों तक पहुँच सकती है।इससे देश में अनुसंधान संस्कृति मजबूत होगी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा, चिकित्सा शिक्षा और फार्मेसी शिक्षा विश्वस्तरीय बनेगी तथा भारत वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व की दिशा में और अधिक सशक्त होकर आगे बढ़ेगा।

प्रेमिका से पत्नी तक **व्यंग्य**

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

प्रेम और विवाह के बीच का अंतर ठीक वैसा ही है जैसा चाय की टपरी पर कुल्हड़ में अदरक वाली एक्स्ट्रा मार के चाय पीने और किसी महंगे होटल में ग्रीन टी के पाउच को गर्म पानी में डुबोने में होता है। जब कोई प्रेमिका सात फेरों के पवित्र बंधन की स्पाइरल बाइंडिंग में बंधकर पत्नी बनती है, तो जिंदगी का पूरा कैटलॉग ही बदल जाता है। प्रेमिका मुकम्मल कविता की तरह होती है, जिसे आप डायरी के पन्नों में छुपा कर रखते हैं, जबकि पत्नी उसी कविता की वह अनिवार्य गाइड बुक बन जाती है जिसे परीक्षा से रात पहले रटना ही पड़ता है। इस बदलाव का पहला शिकार पुरुष का वह भ्रम होता है जो सोचता था कि वह अपनी जिंदगी का मुख्य किरदार है, जबकि हकीकत यह है कि वह अब सिर्फ सह-कलाकार है जिसका काम केवल ताली बजाना और सही समय पर बाजार से धनिया लाना है। शुरुआती दिनों में जब वह प्रेमिका थी, तब उसकी आवाज में अजीब सी खामोशी और मिठास घुली रहती थी। ऐसा लगता था जैसे बनारस के घाट पर शाम की आरती हो रही हो। तब उसकी हर हाँ में गजल छिपी होती थी और उसकी आँखों की झील में डूबने का मन करता था। लेकिन जैसे ही मांग में सिंदूर की लाल बत्ती जली, वह मधुर बांसुरी अचानक अनुशासनात्मक चटकदार सीटी में बदल गई। अब सुबह की शुरुआत अलार्म से नहीं, बल्कि रसोई से आने वाली बेलन और तवे की जुगलबंदी से होती है, जो साफ़-साफ़ कहती है कि अगर बिस्तर से पांच मिनट में नहीं उठे, तो तुम्हारा नाश्ता इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा। प्रेम के दिनों में जो आँखें हिरणी जैसी लगती थीं, वे अब सीसीटीवी कैमरे जैसी हो गई हैं, जो आपके हर लेट-कमिंग और चाय के खाली कप को सिंक में न रखने के अपराध को लाइव रिकॉर्ड करती हैं। प्रेमिका के दौर में प्रेमी किसी राजसी महल का राजकुमार होता था, जिसकी हर बात पर जादुई तारीफों का तमगा मिलता था। पत्नी के साम्राज्य में आते ही वह ऐसी पुरानी मारुति सुजुकी कार बन जाता है, जिसे चालू रखने के लिए रोज सुबह नए बहाने और कभी-कभी थोड़े धक्के की जरूरत होती है। प्रेम में पुरुष खुला परिंदा था जो आसमान नापने का दावा करता था, मगर विवाह के पिंजरे में आते ही वह घरेलू मुर्ग बन जाता है जिसका पूरा ब्रह्मांड सोफे के कोने से लेकर बालकनी की ग्रिल तक सिमट जाता है। अब उसकी स्वतंत्रता का सबसे बड़ा प्रतीक यह होता है कि वह अलमारी के तीन खानों में से आधे खाने पर अपना मोजा और टी-शर्ट रखने का अधिकार पा जाए। घर का इंटीरियर और बजट इस बदलाव का सबसे सटीक चित्र प्रस्तुत करते हैं। पहले जब वह मिलने आती थी, तो कैफ़े का बिल चुकाना किसी युद्ध को जीतने जैसा गर्व का अहसास देता था। अब हर महीने की पहली तारीख को क्रेडिट कार्ड का बिल देखना किसी हॉरर फिल्म के क्लाइमेक्स जैसा डरावना लगता है। प्रेमिका को तोहफे में टेडी बियर और गुलाब का फूल देकर काम चल जाता था, जहाँ भावनाओं का वजन ज्यादा होता था। लेकिन पत्नी बनने के बाद भावनाओं का स्थान सीधे अमेज़न के कार्ट और ऑनलाइन डिस्काउंट कूपन ले लेते हैं। घर में जो कप-प्लेट कभी सिर्फ मेहमानों के लिए रिजर्व थे, वे अब इस बात का थर्मामीटर बन चुके हैं कि आज पत्नी का मूड कैसा है, अगर चीनी मिट्टी के बर्तन हल्के से खटके, तो समझो कि मौसम विभाग ने भारी तबाही की चेतावनी जारी कर दी है। संवादों की शैली में तो ऐसा क्रांतिकारी परिवर्तन आता है कि भाषा विज्ञान के बड़े-बड़े प्रोफेसर भी अपना सिर पकड़ लें। जब प्रेमिका कहती थी कि मुझे कुछ नहीं चाहिए, बस तुम्हारा साथ चाहिए, तो दिल में गिटार बजने लगता था। अब जब पत्नी कहती है कि मुझे कुछ नहीं चाहिए, तो इसका सीधा और खतरनाक मतलब होता है कि तुमने उसकी किसी बेहद जरूरी खामोश ख्वाहिश को नजरअंदाज कर दिया है और अब तुम्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उनकी बातचीत का ढांचा अब किसी कॉरपोरेट मीटिंग जैसा हो गया है, जहाँ हर वाक्य के पीछे छिपा हुआ एजेंडा होता है। क्या आज तुम ऑफिस से जल्दी आ रहे हो? इस सीधे सवाल का अनुवाद यह है कि तुम्हें आते समय रास्ते से सब्जी, दूध और सोसाइटी का मेंटेनेंस बिल जमा करके आना है। मित्रों और सामाजिक जीवन का परिदृश्य भी इस नए दौर में किसी ढहते हुए किले की तरह नजर आता है। शादी से पहले जो दोस्त आपकी प्रेम कहानी के मुख्य गवाह और फिल्मों वाले बैकग्राउंड म्यूजिक हुआ करते थे, वे अब पत्नी की नजर में समय बर्बाद करने वाले तत्वों की सूची में सबसे ऊपर आ जाते हैं। दोस्तों के साथ बिताई जाने वाली शामें, जो कभी अंतहीन चाय और सिगरेट के धुएं में तैरती थीं, अब वीकेंड पर मॉल की ट्रॉली खींचने और ग्रोसरी की लिस्ट टिक करने में बदल चुकी हैं। पुरुष का दोस्त अब वह नहीं जो उसके सुख-दुख में साथ दे, बल्कि वह है जो चुपके से ऑफिस के लंच ब्रेक में अपनी पत्नी के गुस्से से बचने के कारगर उपाय साझा कर सके। इस पूरे रूपांतरण का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि पुरुष के आत्मसम्मान का ग्राफ शेयर मार्केट की तरह लगातार नीचे गिरता रहता है, फिर भी वह कुशल निवेशक की तरह मुस्कुराता रहता है। प्रेमिका के समय जो पुरुष अपनी शर्ट के कॉलर सीधे रखता था, वह अब इस बात में अपनी जीत ढूंढता है कि उसने बालकनी में सूख रहे कपड़ों को सही तरीके से क्लिप लगा कर टांग दिया है। घर में उसकी हैसियत किसी ऐसे कैबिनेट मंत्री जैसी हो जाती है जिसके पास विभाग तो बहुत हैं, लेकिन बजट पर अंतिम दस्तखत वित्त मंत्रालय यानी पत्नी का ही होता है। हर संडे की सुबह छिपे हुए टास्क फोर्स के ऑपरेशन जैसी होती है, जहाँ उसे जाले साफ़ करने से लेकर जामुन खरीदने तक के मिशन को पूरी शिद्दत से अंजाम देना होता है। लेकिन इस तमाम नोक-झोंक के मलबे के नीचे बहुत ही खूबसूरत और पक्का सच भी छुपा होता है। जहाँ हर मजाक के बाद गहरी सी बात दिल को छू जाती है, प्रेमिका का पत्नी बनना दरअसल कच्चे धागे का मजबूत रस्सी में बदल जाना है। वह जो कभी सिर्फ आपकी खुशियों की साझीदार थी, अब आपके फटे हुए मोजों से लेकर टूटे हुए हौसलों तक को रफू करने का हुनर सीख चुकी है। चाय की वह टपरी भले ही छूट गई हो, लेकिन अब हर शाम जब दोनों थककर सोफे पर बैठते हैं और बिना कुछ कहे एक-दूसरे की थकान को पढ़ लेते हैं, तो समझ आता है कि प्रेमिका का पत्नी बनना दरअसल जिंदगी की सबसे बेहतरीन स्क्रिप्ट का मुकम्मल हो जाना है।

विकलांग हितग्राही को आवास दिलाने का दिया आश्वासन

पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने क्षतिग्रस्त छत पर शीट लगवाई, आवश्यक सामग्री देकर राहत पहुंचाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 15 जुलाई। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता महेश गागड़ा ने मंगलवार को बीजापुर जिले की ग्राम पंचायत तोयनार के कोका मूरापारा निवासी दिव्यांग सुक्कू ताती के घर पहुंचकर उनके परिवार का हालचाल जाना। कुछ दिनों पूर्व शॉर्ट सर्किट और तेज आंधी के कारण उनका मकान क्षतिग्रस्त हो गया था।

मौके पर पहुंचकर महेश गागड़ा ने स्वयं घर की क्षतिग्रस्त छत पर सीमेंट शीट लगवाने की व्यवस्था कराई तथा परिवार को आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने परिजनों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान पूर्व मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर सुक्कू ताती का दिव्यांग प्रमाण पत्र शीघ्र बनवाने तथा उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना

का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की सेवा करना उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकट, भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीनिवास मुदलियार, जिला पंचायत सदस्य मथियास कुजूर, भाजपा सोशल मीडिया जिला संयोजक के.जी. सुधाकर, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हरिहर साहनी, तोयनार सरपंच मुन्नी कुडियम सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

एक नजर

37 आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए 1.11 करोड़ रुपए स्वीकृत

बीजापुर 15 जुलाई। जिले में आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर विश्वदीप ने छत्तीसगढ़ नक्सलवाद, आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति के तहत 37 आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 1 करोड़ 11 लाख 50 हजार रुपये के आहरण एवं संवितरण की स्वीकृति प्रदान की है।पुलिस अधीक्षक द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों की गतिविधियां संदेहास्पद नही होना प्रमाणित किये जाने पर तथा पूर्व में उपरोक्तानुसार राशि का आहरण/वितरण नहीं किये जाने की स्थिति में परीक्षण कर उपरोक्तानुसार स्वीकृत ईनाम की राशि आत्मसमर्पित नक्सलियों के नाम से चेक के माध्यम से प्रदाय किया जायेगा।

जिले में साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भिलाई नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 120 संदिग्ध खाताधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन खातों का इस्तेमाल देशभर में हुई साइबर ठगी की रकम प्राप्त करने और आगे स्थानांतरित करने के लिए किए जाने का आरोप है। भिलाई नगर पुलिस के अनुसार भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित %समन्वय पोर्टल% तथा पुलिस मुख्यालय से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना भिलाई नगर क्षेत्र में संचालित पंजाब नेशनल बैंक के खातों का परीक्षण किया गया। जांच में कई खाते साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लेयर-1 (म्यूल अकाउंट) के रूप में उपयोग होते पाए गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 से 2026 के दौरान साइबर ठगी से प्राप्त राशि इन खातों में जमा कर अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर या आहरित की गई। पुलिस का कहना है कि खातों का उपयोग अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से किया गया। भिलाई नगर पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 388/2026 दर्ज कर पंजाब नेशनल बैंक के 120 खाताधारकों को आरोपी बनाया है। सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2), 318(3) और 318 (4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधी ठगी की रकम को छिपाने और आगे भेजने के लिए आम लोगों के बैंक खातों का उपयोग म्यूल अकाउंट के रूप में करते हैं ऐसे खाताधारकों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है और दोषी पाए पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर एवं बाइक की टक्कर में ट्रैक्टर चालक हुई मौत, बाइक सवार घायल

कोंडागांव, 15 जुलाई । जिले के आलोर-सरगीपाल मार्ग पर आज मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर एवं बाईक की टक्कर में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार एक बैंक कर्मचारी घायल हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया । पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर चालक महंगूराम कोर्राम अपने खेत की ओर जा रहा था। इसी दौरान बड़ेडोंगर निवासी धर्मेंद्र नाग, जो फरसगांव ग्रामीण बैंक में कर्मचारी हैं, ड्यूटी के लिए बाइक से फरसगांव आ रहे थे। आलोर-सरगीपाल मार्ग पर दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक महंगूराम कोर्राम ने स्वयं को बचाने के लिए ट्रैक्टर से छलांग लगा दी। हालांकि, संतुलन बिगड़ने से वह ट्रैक्टर के पिछले पहिए की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक सवार धर्मेंद्र नाग कोो गंभीर चोटें आईं है। उपचार के लिए उन्हें तत्काल बड़ेडोंगर अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

सर्पदंश एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए अस्पतालों में दवाइयों की उपलब्धता करें सुनिश्चितः कलेक्टर

जगदलपुर, 15 जुलाई। बस्तर जिले के कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि बारिश के मौसम में सर्पदंश एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने नक्सल पुनर्वसित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शासन की सभी पात्रता आधारित योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से उपलब्ध कराने पर चर्चा की। कलेक्टर श्री आकाश की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आज मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सभी स्कूल परिसरों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए होनहार विद्यार्थियों की पहचान कर आवेदन भरवाने तथा बेहतर तैयारी कराने के निर्देश दिए।

सूखे नल खोल रहे नगर पालिका की व्यवस्था की पोल, गंदा पानी उपयोग करने को मजबूर हो रहे हैं लोग

15 दिनों से जलापूर्ति ठप, बूंद-बूंद पानी को तरस रहे वार्डवासी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 15 जुलाई । नगर पालिका बीजापुर की जलापूर्ति व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नगर पालिका कार्यालय से महज कुछ दूरी पर स्थित वार्ड क्रमांक 7 शांति नगर में पिछले 15 से 20 दिनों से नलों में पानी नहीं पहुंचा है, जिससे सैकड़ों लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। हालात ऐसे हैं कि घरों के नल सूखे पड़े हैं और लोग पानी की व्यवस्था के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जल संकट को लेकर कई बार नगर पालिका प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया, यहां तक कि पूर्व में जलापूर्ति नहीं होने पर नागरिकों ने नगर पालिका का घेराव भी

5 दिनों से जलापूर्ति ठप, नाराज नागरिकों ने नगर पालिका कार्यालय के सामने किया धरना-प्रदर्शन

किया था। उस समय कुछ दिनों तक पानी की आपूर्ति बहाल हुई, लेकिन अब स्थिति फिर पहले जैसी हो गई है।जलापूर्ति बंद होने के कारण कई परिवार बरसात के बीच जरिया नाले के गंदे पानी का उपयोग करने को विवश हैं। इससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है और लोगों में भारी नाराजगी है।इस संबंध में वार्ड पार्षद ने बताया कि नए नैमेड़ स्थित जलापूर्ति केंद्र में साफ-सफाई और रखरखाव का कार्य चल रहा है, जिसके कारण पानी की सप्लाई प्रभावित हुई है। उन्होंने जल्द ही जलापूर्ति बहाल होने का भरोसा दिलाया है।इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी एल नुरेटी ने बताया कि नदी का पानी को फिल्टर करने की मशीन और वाल्व की सफाई की जा रही है। नया पाइप लाइन में पानी निकासी हेतु लगातार 6 दिनों से कार्य जारी है। 3 दिन में जल आपूर्ति सुचारू रूप से संचालन किया जाएगा। वर्तमान में पीएचई विभाग द्वारा निर्धारित समय में जल आपूर्ति कार्य पूर्ण करके नगर पालिका कार्यालय में हैंडओवर नहीं किया गया है जिससे परेशानी बढ़ रही है। स्थानीय टीम द्वारा समस्या का समाधान किया जा रहा है। हालांकि, वार्डवासियों का कहना है कि पिछले कई दिनों से केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल जलापूर्ति बहाल करने और वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वार्डवासी एक बार फिर आंदोलन का रास्ता अपनाने की चेतावनी दे रहे हैं।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक हितग्राही तक पहुंचे: कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 15 जुलाई। साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक मंगलवार को कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा किया गया। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में कलेक्टर ने जनहित से जुड़े मांग एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर देते हुए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड तथा बैंकिंग सुविधाओं से अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजी पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन, सुशासन तिहार तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ करने को कहा गया है।

भैरमगढ़ में कथित कमीशनखोरी का बवाल और बढ़ा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 15 जुलाई। भैरमगढ़ जनपद पंचायत में पदस्थ इंजीनियर राकेश गंधर्व पर कथित कमीशनखोरी के आरोप थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पहले तीन पंचायतों से उठी शिकायत अब पांच पंचायतों तक पहुंच गई है। पेठा, रानीबोदली और बेदरे के बाद अब उसकापटनम और करकेली पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने भी स्कूल भवन निर्माण कार्यों के भुगतान और मूल्यांकन के नाम पर कथित कमीशन लेने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि सरकारी निर्माण कार्यों का भुगतान तभी आगे बढ़ाया गया, जब कथित रूप से नकद राशि दी गई। आरोपों के सामने आने के बाद पंचायत प्रतिनिधियों में भारी नाराजगी है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

उसकापटनम और करकेली से भी सामने आए आरोप

ग्राम पंचायत उसकापटनम की सरपंच कविता पोयाम ने आरोप लगाया कि पंचायत के आश्रित गांव जारामरका और बीराभट्टी में लगभग 10 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक शाला भवन निर्माण हुआ। भुगतान के बाद इंजीनियर ने कथित रूप से 42 हजार रुपये नकद कमीशन लिया।इसी तरह ग्राम पंचायत करकेली के जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि प्राथमिक शाला भवन निर्माण की 5 लाख रुपये की राशि जारी होने पर 25 हजार रुपये नकद कमीशन लिया गया।

पहले भी लग चुके हैं 2.02 लाख रुपये लेने के आरोप

इससे पहले पेठा, रानीबोदली और बेदरे पंचायतों के सरपंचों एवं सरपंच पतियों ने इंजीनियर पर फोनपे के जरिए 1.02 लाख रुपये और 1 लाख रुपये नकद, कुल 2.02 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ताओं का यह भी कहना है कि बाद में बचाव के लिए उनसे कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराए गए और अपने पक्ष में दस्तावेज तैयार किए गए।

भैरमगढ़ जनपद के इंजीनियर पर कमीशनखोरी का आरोप

पूर्व मंत्री महेश गागड़ा से लगाई गुहार

लगातार सामने आ रहे आरोपों के बाद पंचायत प्रतिनिधियों ने पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

जांच टीम गठित, रिपोर्ट का इंतजार

जनपद पंचायत भैरमगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक तम्बोली ने बताया कि शिकायतों की जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।एक के बाद एक पंचायतों से सामने आ रहे आरोपों ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला पंचायत निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर सकता है।

क्रूड ऑइल ऑप्शंस में रिकॉर्ड कारोबार निवेशकों का बढ़ा भरोसा

नई दिल्ली,15 जुलाई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के क्रूड ऑइल ऑप्शंस में कारोबार लगातार नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। 9 जुलाई 2026 को एक्सचेंज में 2,006.49 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे बड़ा प्रीमियम कारोबार दर्ज किया गया। इस दौरान 47.33 लाख से अधिक कॉन्ट्रैक्ट्स में ट्रेडिंग हुई और ओपन इंटरेस्ट पहली बार 1.14 लाख कॉन्ट्रैक्ट्स के पार पहुंच गया। एनएसई के अनुसार, नवंबर 2025 में एक्सपायरी नियमों में किए गए बदलाव के बाद ट्रेडर्स को अपनी रणनीति बनाने और जोखिम प्रबंधन के लिए अधिक समय मिला, जिससे कारोबार में लगातार तेजी आई है। एक्सचेंज ने कहा कि बाजार से मिले सुझावों के आधार पर उत्पादों में सुधार का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा, ताकि निवेशकों और ट्रेडर्स को बेहतर सुविधाएं मिलें तथा कमोडिटी बाजार को और मजबूती मिले।

हिड़मा को रोल मॉडल बताकर कांग्रेस ने नक्सलवाद पर उजागर किया अपना असली चेहरा: रामू नेताम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा,15 जुलाई । कोटा से कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव द्वारा माओवादी कमांडर हिड़मा को अपना रोल मॉडल बताए जाने के बयान

पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं छत्तीशगढ़ के मीडिया पैनेलिस्ट रामू नेताम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस बयान को बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में शहीद हुए सुरक्षाबलों, निर्दोष आदिवासियों और उनके परिजनों का घोर अपमान बताया है।रामू नेताम ने कहा कि हिड़मा बस्तर के इतिहास का एक काला अध्याय है, जिसने वर्षों तक हिंसा और आतंक का वातावरण बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि हिड़मा ने अनेक निर्दोष आदिवासियों को पुलिस का मुखबिर बताकर उनकी हत्या कराई। इतना ही नहीं, स्कूली बच्चों तक को मुखबिरी के आरोप में मौत के घाट उतार दिया गया। ऐसे व्यक्ति को आदर्श बताना किसी भी लोकतांत्रिक और संवेदनशील समाज के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक का यह कहना कि हिड़मा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा की, पूरी तरह भ्रामक और तथ्यों से परे है। नेताम ने तंज कसते हुए कहा कि यदि कांग्रेस के तर्क को सही माना जाए तो जहां-जहां हिड़मा नहीं था, वहां के जंगल समाप्त हो जाने चाहिए थे। ऐसा कुतर्क केवल कांग्रेस ही कर सकती है।रामू नेताम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता की राजनीति में कांग्रेस के नेता इस हद तक पहुंच चुके हैं कि वे देश और समाज के दुश्मनों का महिमामंडन करने लगे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कांग्रेस नक्सलियों को आदर्श मानती है, तो क्या वह झीरम घाटी जैसी घटनाओं से कोई सबक नहीं लेना चाहती? उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों से कांग्रेस की नीयत और सोच दोनों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।नेताम ने दावा किया कि माओवादी हिड़मा 26 से अधिक बड़े सशस्त्र नक्सली हमलों में शामिल रहा, जिनमें 150 से अधिक सुरक्षाबलों और आम नागरिकों की जान गई। उन्होंने कहा कि जिस पूर्वती गांव का हिड़मा निवासी था, वहां और आसपास के क्षेत्रों में आज जाकर सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंची हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि नक्सलवाद ने विकास को वर्षों तक बाधित किया।रामू नेताम ने आरोप लगाया कि यदि कांग्रेस ऐसे दुर्दांत माओवादी को अपना रोल मॉडल मानती है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि पार्टी विकास विरोधी मानसिकता रखती है और अप्रत्यक्ष रूप से आदिवासियों तथा सुरक्षाबलों की हत्या करने वाले नक्सलियों के प्रति सहानुभूति रखती है।उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से मांग की कि वह इस मुद्दे पर अपना स्पष्ट रुख सामने और कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव द्वारा दिए गए बयान के लिए शहीदों के परिजनों और बस्तर की जनता से माफी मांगे।

रियासतकालीन परम्परा का निर्वहन कर मनाया जायेगा बस्तर गोंचा महापर्व : वेद प्रकाश पांडें

जगदलपुर, 15 जुलाई । बस्तर गोंचा महापर्व को लेकर आज मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में 360 घर आरण्यक ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडें ने गोंचा महापर्व के संबध में जानकारी देते हुए बताया कि शताब्दियो पुरानी रियासतकालीन परम्परा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष 29 जून से 25 जुलाई तक बस्तर गोंचा महापर्व का आयोजन कर रही है । 29 जून देव स्नान- चंदनजात्रा पूजा विधान साथ बस्तर गोंचा महापर्व का आगाज हो चुका है, भगवान जगन्नाथ केअनसर काल की समाप्ति के साथ 15 जुलाई को नेत्रोत्सव पूजा विधान में भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन लाभ प्राप्त होगा। 16 जुलाई श्री गोंचा रथ यात्रा पूजा विधान के साथ भगवान जगन्नाथ माता सुभद्रा व बलभद्र स्वामी के 22 विग्रहों को तीन रथों पर रथारूढ़ कर परिकमा उपरांत जनकपुरी सिरहासार (गुण्डिचा मंदिर) में विराजित किये जायेगे, जहां अनवरत 9 दिनों तक श्रद्धालु भगवान के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करेगें ।

रावतपुरा सरकार विश्व विद्यालय के खिलाफ एफआईआर कराने पीड़ित छात्र पहुंचे थाना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 15 जुलाई। रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम बी ऑप्टोमेट्री के बैच 2020-24 के छात्र छात्राओं ने मुजगहन थाना जाकर रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय पर धोखाधड़ी एवं लूट की शिकायत प्रस्तुत की रायपुर जिला एनएसयूआई अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने बताया कि रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय ने बी ऑप्टोमेट्री के छात्र छात्राओं को छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता एवं रजिस्ट्रेशन नंबर होने का झांसा देकर एडमिशन लिया गया जब छात्र छात्राओं अपनी पढ़ाई पुरी कर नौकरी के लिए शासकीय एवं निजी दफ्तरों में आवेदन किए तो उनकी डिग्री की फर्जी करार दिया गया।

प्रत्येक बच्चे में विश्वविद्यालय को अदा किए है 6-6लाख रुपए

छात्र छात्राओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय को प्रति वर्ष छात्र शुल्क के तौर पर 1.50 लाख की रकम देते थे कुछ जागरूक छात्रों ने मान्यता की बात विश्वविद्यालय प्रशासन से की विश्वविद्यालय ने उन्हें अस्वस्थ किया कि मान्यता की प्रक्रिया जल्द ही पुरी कर दी जाएगी किन्तु छात्र मान्यता के लिए दर-बदर भटक रहे है ।

पांच बैच पासआउट हो चुके छटवें बैच का भविष्य भी अंधकार की ओर

जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने बताया कि रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में बी ऑप्टोमेट्री लगभग पांच सौ ज्यादा छात्र बैच में पासआउट हो चुके और छठवें बैच भी पासआउट होने को है और किसी भी छात्र को अभी तक किसी छात्र को रजिस्ट्रेशन नहीं मिला है आज इसी शिकायत को लेकर छात्र शिकायत करने थाना पहुंचे अगर 15 दिन के अंदर विश्वविद्यालय पर पर एनएसयूआई दर्ज नहीं होती है तो रायपुर एनएसयूआई जिला एनएसयूआई हज़ारों की संख्या में स्वास्थ्य मंत्री निवास घेराव के लिए कूच करेंगे और एफआईआर की मांग करेंगें।

न्यायालय के आदेश के बावजूद चार दशक से मां दंतेश्वरी मंदिर के चढ़ावे का हिसाब नहीं हुआ सार्वजनिक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 15 जुलाई । बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर में पिछले चार दशक से भी अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक मंदिर की कुल संपत्ति, प्राप्त चढ़ावे, सोने-चांदी के आभूषणों और अन्य दान का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसे लेकर अब चर्चा तेज हो गई है कि क्या अयोध्या के श्रीराम मंदिर की तरह यहां भी चढ़ावे में गड़बड़ी की आशंका है? जबकि वर्ष 2020 में अदालत ने मंदिर की संपत्ति का ब्यौरा जल्द से जल्द सार्वजनिक करने का आदेश भी दिया था।, विदित हो कि टेम्ल कमेटी के नाम पर जिला प्रशासन के द्वारा तैनात तहसीलदार जगदलपुर के पास मंदिर के चढ़ावे का पूरा हिसाब होने के बावजूद चढ़ावे-दान का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाना प्रशासन के लिए गंभीर सवाल खड़े करता है।

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी का मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, लेकिन मंदिर की संपत्ति को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनका स्पष्ट जवाब

प्रशासन के पास भी नहीं दिख रहा। वर्ष 1981 के बाद से मंदिर की संपत्ति का सत्यापन नहीं हुआ। वर्ष 2020 में न्यायालय ने 90 दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने का आदेश दिया था, लेकिन वर्षों बाद भी न तो जांच पूरी होने की जानकारी सामने आई और न ही संपत्ति का आधिकारिक ब्योरा सार्वजनिक किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर देरी की वजह क्या है? मां दंतेश्वरी मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि बस्तर की आस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख केंद्र है। दशकों से यहां श्रद्धालु सोने-चांदी के आभूषण, मुकुट, हार, सिक्के और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं देवी को अर्पित करते आ रहे हैं। स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी संपत्ति का नियमित सत्यापन और सुरक्षित रिकॉर्ड होना चाहिए। चार दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद मंदिर के खजाने का अद्यतन और सार्वजनिक हिसाब सामने नहीं आया है।टेम्पल कमेटी के सदस्य राजू नारंग के अनुसार मां दंतेश्वरी मंदिर में प्रति वर्ष चढ़ावे में अनुमानित दान पेटी से 15 से 20 लाख रूपये नगद एवं ज्योति-कलश से 35 से 40 लाख रूपये के आने की बात कही गई है।मां दंतेश्वरी मंदिर के मुख्य पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी का कहना है कि चार दशक से हिसाब सार्वजनिक नही किये जाने से अब मंदिर से जुड़े कई लोग और श्रद्धालु सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जब वर्षों तक संपत्ति का सत्यापन नहीं होगा और अदालत के निर्देश के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं होगी, तो आशंकाएं जन्म लेना स्वाभाविक है। हालांकि अब तक किसी सक्षम जांच एजेंसी या प्रशासन ने यह पुष्टि नहीं की है कि मंदिर के जेवरात या संपत्ति की चोरी हुई है, लेकिन पारदर्शिता की कमी ने संदेह जरूर पैदा किया है।राजगुरु नवीन ठाकुर ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि मंदिर की पूरी संपत्ति सुरक्षित है, तो उसका अद्यतन रिकॉर्ड सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा? सत्यापन पूरा हुआ या नहीं? यदि हुआ तो रिपोर्ट कहां है? यदि नहीं हुआ तो छह वर्ष पहले दिए गए अदालत के आदेश का पालन अब तक क्यों नहीं हुआ? सवाल और बड़ा तब हो जाता है, जब मंदिर की संपत्ति किसी व्यक्ति या विभाग की नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की धरोहर मानी जाती है। यह मामला केवल सोने-चांदी या बहुमूल्य आभूषणों का नहीं, बल्कि आस्था, जवाबदेही और पारदर्शिता का है। जब अदालत का आदेश भी वर्षों तक फाइलों में दबा रह जाए तो सवाल उठना स्वाभाविक है।तहसीलदार जगदलपुर राहुल कुमार गुप्ता को कई बार फोन से संर्पक करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होने फोन उठाना तक उचित नही समझा, उनके फोन पर काल जाने के बाद वाईस काल रिकार्ड के के मोड पर जाने से मेरे द्वारा वाईस काल रिकार्ड में अपना सवाल रिकार्ड कर भेजा जिसमें मेरे द्वारा यह पूछा गया कि मां दंतेश्वरी मंदिर में पिछले चार दशक से मंदिर की कुल संपत्ति, प्राप्त चढ़ावे, सोने-चांदी के आभूषणों और अन्य दान का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया गया है। आप कब तक आधिकारिक आय-व्यय का रिकॉर्ड सार्वजनिक करेंगे।

एक नजर

शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन के लिए 20 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 15 जुलाई। छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के प्रावधानों के तहत नगर निगम क्षेत्र रायगढ़ के मिट्ठुमुड़ा वार्ड में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 411001087 के लिए नई शासकीय उचित मूल्य दुकान खोलने एवं दुकान एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। दुकान संचालन के लिए स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य सहकारी समितियां तथा वन सुरक्षा समितियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक संस्थाएं अपने पंजीयन प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र 20 जुलाई तक कार्यालयीन समयावधि में खाद्य शाखा रायगढ़ में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रारंभिक शिक्षा के लिए मिसाल है ग्राम पंचायत पिपलावंड मारीपारा आंगनबाड़ी केंद्र का विकास

जगदलपुर, 15 जुलाई । छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में बनी ग्राम पंचायत पिपलावंड मारीपारा की नई आंगनबाड़ी इमारत ग्रामीण विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण की एक शानदार मिसाल है। यह परियोजना दर्शाती है कि कैसे बुनियादी ढांचे का सही नियोजन और मनरेगा के तहत किया गया कार्य प्रारंभिक बचपन की शिक्षा के लिए जीवंत, आकर्षक और सुरक्षित स्थान बना सकता है। पूर्व में आंगनबाड़ी की स्थिति अत्यंत ही जर्जर थी जिसमे बच्चों को पढाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था ग्राम पंचायत के द्वारा नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु कार्यालय जनपद पंचायत बस्तर से समन्वय कर स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया तपश्चात विभागों से समन्वय कर वर्ष 2024-25 ग्राम पंचायत पिपलावंड में यह आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य की कुल प्रशासनिक स्वीकृति, 11.69 लाख रुपये की दी गई । जिसमे मनरेगा से 8 लाख रूपए, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रूपए एवं गौड़ खनिज से 1.69 लाख रूपए के बजट और इस महत्वपूर्ण सामुदायिक संपत्ति को साकार करने के लिए स्वीकृति प्रदान की गयी ।

प्रशासन बना संकट की घड़ी का सहारा

जगदलपुर, 15 जुलाई । जीवन में कभी-कभी ऐसी विपत्ति आ जाती है, जो एक पल में पूरे परिवार की खुशियां छीन लेती है। बस्तर जिले के बास्तानार विकासखंड के ग्राम सागवेल की निवासी चैती के साथ भी ऐसा ही हुआ। मकान गिरने की दुर्घटना में उनके पति महरू की मृत्यु हो गई। इस हादसे ने चैती को गहरे सदमे में डाल दिया और परिवार के सामने आजीविका का भी संकट खड़ा हो गया। दुख की इस घड़ी में जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए चैती को तत्काल राहत उपलब्ध कराई। तत्कालीन कलेक्टर के मार्गदर्शन में एसडीएम तोकापाल श्री शंकर लाल सिन्हा स्वयं गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार को आरबीसी 6-4 के तहत तत्काल 25 हजार रुपये की नकद सहायता प्रदान की, जिससे परिवार को तत्काल आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में राहत मिली। इसके बाद तहसीलदार एवं पटवारी ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक राजस्व कार्रवाई पूरी की। प्रशासन की कार्यवाही के परिणाम स्वरूप आपदा राहत प्रकरण शीघ्र स्वीकृत हुआ और चैती को 4 लाख रुपये की आपदा राहत राशि प्रदान की गई। इस आर्थिक सहायता ने विपरीत परिस्थितियों में उनके परिवार को नया संबल दिया। चैती भावुक होकर कहती हैं मकान गिरने से मेरे पति महरू की मृत्यु हो गई थी। उस समय मुझे समझ नहीं आ रहा था कि आगे कैसे जीवन चलेगा। लेकिन प्रशासन ने मेरी पीड़ा को समझा। एसडीएम साहब स्वयं घर आए और तत्काल सहायता दी।

मकान क्षति का एक लाख बीस हजार अलग से आरबीसी 6-4 के तहत राजस्व विभाग से एवं 50 बास 30 बल्ली वन विभाग के तरफ से तुरंत दिया गया । इसके बाद सभी आवश्यक प्रक्रियाएं तेजी से पूरी कर मुझे चार लाख रुपये की राहत राशि मिली।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए सभी पात्र कृषकों और खसरों का एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य

धान उपार्जन की तैयारी तेज, एग्रीस्टैक पंजीयन में लाएं शत-प्रतिशत प्रगतिः कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 15 जुलाई। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान उपार्जन की तैयारियां शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य की प्रगति का विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने राजस्व, कृषि एवं उप पंजीयक सहकारिता के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य में अगर कोई तकनीकी दिक्कत या कठिनाइयाँ आ रही है तो अपने संबधित विभागों से उच्च स्तरीय मार्ग दर्शन लेकर कार्यों में शतप्रतिशत प्रगति लाए। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कृषि उपसंचालक, उपपंजीयक सहकारिता तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष धान उपार्जन के लिए वन पट्टाधारी, डुबान, शासकीय पट्टेदार, ग्राम नौकर (कोटवार), संस्थागत, अधिया, रेगहा सहित सभी श्रेणी के पात्र कृषकों एवं उनके संबंधित खसरों का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। ऐसे में किसी भी पात्र किसान का पंजीयन शेष नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम स्तर तक अभियान चलाकर किसानों का पंजीयन पूर्ण कराया जाए। बैठक में बताया गया कि मार्कफेड मुख्यालय मॉड्यूल में उपलब्ध रिपोर्ट के आधार पर जिले में विभिन्न श्रेणियों के कुछ कृषकों तथा उनके खसरों का एग्रीस्टैक पंजीयन लंबित है। इनमें वन पट्टाधारी, संस्था एवं ट्रस्ट, शासकीय भूमि, शासकीय पट्टेदार (कृषि), ग्राम नौकर तथा रेगहा श्रेणी के प्रकरण शामिल हैं। इनमें ऐसे किसान भी हैं जिन्होंने पिछले खरीफ विपणन वर्ष में धान विक्रय किया था। इसलिए उनके पंजीयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि तहसीलवार एवं समितिवार लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए तथा विशेष पंजीयन शिविर आयोजित कर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि पंजीयन प्रक्रिया में यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक अथवा तकनीकी समस्या आती है तो उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए और आवश्यक होने पर राज्य शासन को भी इसकी जानकारी भेजी जाए। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य की प्रतिदिन निगरानी की जाए।

विद्यालय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के लिए नेतृत्वकारी भूमिका निभाएं प्राचार्य:जिपं सीईओ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 15 जुलाई। जिले में शिक्षा व्यवस्था को अधिक गुणवत्तापूर्ण, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। इसी उद्देश्य से कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे ने जिला स्तरीय प्राचार्यों की समीक्षा बैठक ली। दो पालियों में आयोजित बैठक में जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में नामांकन, शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षा का अधिकार (आरटीई), छात्रवृत्ति, पीएम श्री योजना, यू-डाइस, बोर्ड परीक्षा परिणाम, मध्यान्ह भोजन, विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए सीईओ श्री पठारे ने कहा कि शिक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। लक्ष्य केवल शत-प्रतिशत नामांकन तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण तथा सीखने के समान अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा, छात्रवृत्ति, आरटीई अथवा शासन की किसी भी जनकल्याणकारी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक प्राचार्य अपने विद्यालय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाने के लिए नेतृत्वकारी भूमिका निभाए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यालयों एवं शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाएगा, वहीं लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में जिले के सेवानिवृत्त शिक्षकों से समाजहित में स्वेच्छा से विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण देने का आह्वान किया गया। जिला प्रशासन ऐसे शिक्षकों के अनुभव का स्वागत करेगा तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। बैठक में यू-डाइस डाटा की शत-प्रतिशत एवं गुणवत्तापूर्ण प्रविष्टि, आरटीई के अंतर्गत प्रवेश, रिक्त सीटों, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा कक्षा पहली से 12वीं तक के परीक्षा परिणामों की समीक्षा की गई। निर्देश दिए गए कि कोई भी पात्र विद्यार्थी आरटीई, छात्रवृत्ति अथवा अन्य शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में निजी विद्यालयों के संचालन संबंधी प्रावधानों की समीक्षा करते हुए शिक्षकों का वेतन नियमित रूप से बैंक खाते के माध्यम से देने तथा विद्यार्थियों को किसी विशेष दुकान से यूनिफॉर्म, पुस्तक अथवा स्टेशनरी खरीदने के लिए बाध्य नहीं करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक किसानों को करें लाभान्वित : कलेक्टर

मोहला 15 जुलाई । कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिला स्तरीय पर्यवेक्षक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा क्रियान्वयन बीमा कम्पनी को कृषि विभाग एवं संबंधित विभाग बैंक के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक प्रचार कर फसलों के बीमा कराने के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश दिये गए। उन्होंने जिले के सभी किसानों से फसलों का बीमा कराने के लिए अपील की है, ताकि आपदा की स्थिति में किसानों को क्षति पूर्ति हेतु दावा भुगतान मिल सके। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक किसानों को लाभविन्त करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने बताया की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ फसलों के लिये बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई नियत की गई है।

पर्यावरण संरक्षण व हरित भविष्य के लिए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत लाखों पौधों का होगा रोपण, उद्योगों को 8,950 पीपल के पौधे लगाने की जिम्मेदारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 15 जुलाई । जिले में सक्रिय मानसून के बीच पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से राज्य शासन की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम' महाअभियान के तहत व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। अभियान को प्रभावी और परिणाममुखी बनाने के लिए कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित वृक्षारोपण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का जनआंदोलन होनी चाहिए। उन्होंने अभियान में जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं, विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं तथा जागरूक नागरिकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक रोपा गया पौधा आने वाले वर्षों में जिले की हरित पहचान बने। बैठक में वन मंडलाधिकारी ने बताया कि जिले के रायगढ़ वनमंडल एवं धरमजयगढ़ वनमंडल द्वारा वर्षा ऋतु 2026 के लिए वृहद कार्ययोजना तैयार कर अभियान को गति दी जा रही है। वन विभाग द्वारा विभिन्न श्रेणियों के वृक्षारोपण के साथ पौधों की सुरक्षा और जीवितता सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है।

रायगढ़ वनमंडल के अंतर्गत रायगढ़, खरसिया, घरघोड़ा एवं तमनार परिक्षेत्र के कुल 27 स्थलों में लगभग 448.49 हेक्टेयर क्षेत्र में 3 लाख 43 हजार 212 पौधों का रोपण किया जाएगा। यह कार्य राज्य कैम्पा मद के अंतर्गत संपादित होगा। वृक्षारोपण के लिए वन विभाग की हाईटेक रोपणियों में सागौन, जामुन, बेल, अर्जुन, आँवला, नीम सहित स्थानीय जलवायु के अनुरूप विभिन्न प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त पौधे तैयार किए गए हैं। अभियान के अंतर्गत क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, सेफ्टी जोन ब्लॉक वृक्षारोपण, ट्रांसमिशन लाइन के नीचे बौनी प्रजातियों का रोपण तथा वन्यप्राणी एवं पक्षी संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विशेष वृक्षारोपण भी किया जाएगा। प्रत्येक स्थल पर रोपण प्रभारी एवं सहायक प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो पौधों की सुरक्षा, देखभाल एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करेंगे।वन विभाग द्वारा संचालित किसान वृक्ष मित्र योजना के माध्यम से निजी भूमि पर भी वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस वर्ष वनमंडल के 44 कृषकों द्वारा लगभग 83.11 एकड़ भूमि पर साधारण सागौन, बांस एवं क्लोनल नीलगिरी के 50 हजार 118 पौधे लगाए जाएंगे। इससे किसानों को भविष्य में अतिरिक्त आय का स्त्रोत मिलेगा तथा पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। इसी कड़ी में कलेक्टर ने जिले में स्थापित सभी बड़े उद्योगों एवं कंपनियों को भी पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम से जोड़ते हुए उनके परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पीपल के पौधों का वृहद स्तर पर रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी जिला पर्यावरण विभाग को सौंपी गई है। विभाग द्वारा पौधों के वितरण से लेकर उनके रोपण एवं संरक्षण तक की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।उद्यानिकी विभाग द्वारा जिले की विभिन्न शासकीय उद्यान रोपणियों में पीपल के पौधे तैयार कर उद्योगों एवं कंपनियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शासकीय उद्यान रोपणी बोईरदादर से 3,200, घरघोड़ा स्थित संजय निकुंज उद्यान रोपणी से 1,250, कंजारा (लैलूंगा) रोपणी से 3,700 तथा धरमजयगढ़ रोपणी से 800 पौधों का वितरण किया जा रहा है। इस प्रकार जिले में कुल 8 हजार 950 पीपल के पौधे उद्योगों एवं कंपनियों द्वारा लगाए जाएंगे। इस अभियान में जिले की प्रमुख औद्योगिक इकाइयाँ एवं सार्वजनिक उपक्रम सक्रिय रूप से भागीदारी निभाएंगे। इनमें जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, जिंदल पावर लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, अडानी पावर, एमएसपी स्टील एंड पावर, नलवा स्टील एंड पावर, शाकंभरी स्टील्स, एनआर इस्पात एंड पावर, सिंघल एनर्जी, सालासार स्टील एंड पावर, अंजनी स्टील्स, रायगढ़ इस्पात एंड पावर, स्केनिया स्टील एंड पावर्स, अंबुजा सीमेंट्स, सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स, हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी, एसईसीएल सहित जिले की अनेक औद्योगिक एवं खनन इकाइयाँ शामिल हैं, जिन्हें संबंधित उद्यान रोपणियों से पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि पौधारोपण केवल लक्ष्य पूर्ति तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे के संरक्षण, नियमित देखभाल और जीवित रहने की दर की भी लगातार समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों और संबंधित उद्योगों को निर्देशित किया कि अभियान को जनसहभागिता से जोड़ते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण का स्थायी जनआंदोलन बनाया जाए। वनमंडलाधिकारी ने जिले के नागरिकों, किसानों, जनप्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थाओं तथा सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें, अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उन्हें संरक्षित कर हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-संतुलित रायगढ़ के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मानस मंदिर से16 जुलाई को निकलेगी भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 15 जुलाई। नगर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को भक्तिमय बनाने के उद्देश्य से मानस मंदिर समिति एवं समस्त नगरवासी छुरा के तत्वावधान में 16 जुलाई 2026, गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

आयोजन समिति के अनुसार रथ यात्रा का शुभारंभ दोपहर 3ः00 बजे मानस मंदिर प्रांगण छुरा से पूरे विधि विधान के साथ होगा। रथ यात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दिव्य विग्रहों की नगर भ्रमण यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएँ, युवा एवं बच्चे शामिल होकर भजन-कीर्तन और जयघोष के साथ सहभागिता करेंगे। रथ मानस मंदिर प्रांगण से नगर भ्रमण करते हुए छोटे राजमहल में पहुंचेगी।इस वर्ष रथ यात्रा का प्रमुख आकर्षण भगवान श्री नृसिंह की भव्य झांकी तथा पारंपरिक ओडिशा नृत्य रहेगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। पूरे मार्ग को आकर्षक सजावट, फूलों एवं धार्मिक ध्वजों से सजाया जाएगा, जिससे नगर में उत्सव का वातावरण रहेगा। आयोजन समिति ने नगर एवं आसपास के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा रथ यात्रा को सफल एवं भव्य बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। भव्य दिव्य विशाल रथ आकर्षण का केंद्र रहता है प्रतिवर्ष इस हेतु पूरी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है, इस दिव्य तैयारी में मानस समिति के अध्यक्ष श्री ओंकार शाह, यशपेंद्र शाह, बजरंग पांडेय, शीतल ध्रुव सचिव, विशेश्वर दीवान कोषाध्यक्ष, कामता प्रसाद तिवारी, यज्ञेश प्रसाद पांडेय पुजारी, भोला पांडेय, गोपाल सोनी, निखिल साहू, नीरज नायक,मोनू सेन, मिथलेश सिन्हा, विमल पुरोहित, अर्जुनधनंजय सिन्हा,नरेंद्र पटेल , विक्कू चंद्राकर, ललित राठौर, अखिल चौबे, कुश साहू,मानस मंदिर छुरा में 16 जुलाई को निकलेगी भव्य भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्राछुरा, गरियाबंद। नगर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को भक्तिमय बनाने के उद्देश्य से मानस मंदिर समिति एवं समस्त नगरवासी छुरा के तत्वावधान में 16 जुलाई 2026, गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा।आयोजन समिति के अनुसार रथ यात्रा का शुभारंभ दोपहर 3ः00 बजे मानस मंदिर, छुरा से होगा। रथ यात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दिव्य विग्रहों की नगर भ्रमण यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएँ, युवा एवं बच्चे शामिल होकर भजन-कीर्तन और जयघोष के साथ सहभागिता करेंगे।इस वर्ष रथ यात्रा का प्रमुख आकर्षण भगवान श्री नृसिंह की भव्य झांकी तथा पारंपरिक ओडिशा नृत्य रहेगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। पूरे मार्ग को आकर्षक सजावट, फूलों एवं धार्मिक ध्वजों से सजाया जाएगा, जिससे नगर में उत्सव का वातावरण रहेगा।आयोजन समिति ने नगर एवं आसपास के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा रथ यात्रा को सफल एवं भव्य बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। जय जगन्नाथ होगा पूरे मार्ग को आकर्षक सजावट, फूलों एवं धार्मिक ध्वजों से सजाया जाएगा, जिससे नगर में उत्सव का वातावरण रहेगा। भव्य दिव्य विशाल रथ आकर्षण का केंद्र आयोजन समिति ने नगर एवं आसपास के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा रथ यात्रा को सफल एवं भव्य बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। मानस समिति के अध्यक्ष श्री ओंकार शाह, यशपेंद्र शाह, बजरंग पांडेय, शीतल ध्रुव सचिव, विशेश्वर दीवान कोषाध्यक्ष, कामता प्रसाद तिवारी, यज्ञेश प्रसाद पांडेय पुजारी, भोला पांडेय, गोपाल सोनी, निखिल साहू, नीरज नायक,मोनू सेन मिथिलेश सिंहा, विमल पुरोहित, नरेंद्र पटेल , विक्कू चंद्राकर, ललित राठौर, अखिल चौबे, शैलेंद्र दीक्षित, शिक्षक मानस परिवार,रामायण महिला मंडली, नगर वासी धर्म प्रेमी तैयारी में जुटे हैं,

समाचार संक्षेप

ग्राम गुजरा में शाला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव मनाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 15 जुलाई। डौंडी विकासखंड के ग्राम गुजरा में जिला स्तरीय श्शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय सांसद भोजराज नाग शामिल हुए। उन्होंने नवप्रवेशी स्कूली बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया और उन्हें मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर सांसद श्री नाग ने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें और गणवेश यूनिफार्म वितरित किए। साथ हीए श्सरस्वती साइकिल योजनाश् के अंतर्गत छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। ताकि उन्हें स्कूल आने-जाने में सुविधा हो सके। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण श्न्यौता भोज रहा जहां सांसद ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और उनसे संवाद किया।इस गरिमामयी समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधिए प्रशासनिक अधिकारी शिक्षक ग्रामीण और स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

सेवा सेतु से नागरिकों को हो रही सुविधा

रायगढ़, 15 जुलाई । शासन द्वारा नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु आमजन के लिए सुविधाजनक माध्यम बनता जा रहा है। ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेजों के डिजिटल सत्यापन एवं निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण पत्र जारी होने से नागरिकों का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं। इसी क्रम में रायगढ़ तहसील के ग्राम कोसमपाली निवासी पंकज कुमार विश्वाल का आय प्रमाण पत्र सेवा सेतु के माध्यम से निर्धारित समयावधि में जारी किया गया। पंकज कुमार विश्वाल के पिता नवीन कुमार विश्वाल ने 5 जुलाई 2026 को लोकसेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण एवं सत्यापन किया गया। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत 9 जुलाई 2026 को तहसीलदार, रायगढ़ द्वारा आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया।नवीन कुमार विश्वाल ने बताया कि सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने की प्रक्रिया बेहद आसान रही। आवेदन जमा करने के बाद तय समय-सीमा के भीतर प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इससे उन्हें किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और बार-बार कार्यालय के चक्कर भी नहीं लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि आय प्रमाण पत्र समय पर मिलने से बच्चे के शैक्षणिक कार्यों सहित अन्य आवश्यक शासकीय प्रक्रियाओं में सुविधा मिलेगी। शासन द्वारा नागरिकों को ऑनलाइन एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने की यह पहल आमजन के लिए काफी लाभकारी साबित हो रही है। उल्लेखनीय है कि सेवा सेतु के माध्यम से आय, जाति, निवास सहित विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं अन्य नागरिक सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। डिजिटल प्रणाली से सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ी है, प्रक्रियाएं सरल हुई हैं तथा नागरिकों को निर्धारित समय में सेवाओं का लाभ सुनिश्चित हो रहा है।

बकरी एवं मुर्गीपालन से सशक्त होगी ग्रामीण आजीविका, ग्राम पंचायतों में वीबी-जीराम जी से बन रहे आधुनिक शेड

रायगढ़, 15 जुलाई। ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि तथा वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले की 8 ग्राम पंचायतों में वीबी-जीराम जी अंतर्गत लगभग 3 लाख रुपये प्रति इकाई की लागत से आधुनिक बकरी पालन शेड स्वीकृत किए गए हैं। यह पहल ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी तथा ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक बनेगी।ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी पालन आय का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है, लेकिन उचित शेड, स्वच्छता, चारे की व्यवस्था और पशु स्वास्थ्य प्रबंधन के अभाव में पशुओं में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित बकरी पालन मॉडल विकसित किया जा रहा है। स्वीकृत शेड ऊंचे एवं सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर निर्मित किए जाएंगे, जिनमें पर्याप्त वेंटिलेशन, स्वच्छता तथा पशुओं के सुरक्षित रख-रखाव की व्यवस्था होगी। इससे पशुओं को वर्षा, गर्मी एवं अन्य प्रतिकूल मौसम से सुरक्षा मिलेगी तथा संक्रमण और रोगों की संभावना में कमी आएगी। आधुनिक संरचना के कारण पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादन क्षमता में भी सुधार होगा।

मानसून की उमस में बढ़ा संक्रमण का खतरा विशेषज्ञ ने बताए सेहतमंद रहने के आसान उपाय

रायगढ़, 15 जुलाई । मानसून के आगमन के साथ भीषण गर्मी से राहत तो मिलती है, लेकिन वातावरण में बढ़ी नमी और उमस के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, रायगढ़ की आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ. मनीषा चौधरी ने बताया कि इस मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और फफूंद तेजी से पनपते हैं, जिससे भोजन और पेय पदार्थ आसानी से दूषित हो सकते हैं। इसके कारण दस्त, फूड पॉइजनिंग, टाइफाइड, वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और अन्य संक्रमण होने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में ताजा, पौष्टिक, सुपाच्य और स्वच्छ भोजन का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तला-भुना, अत्यधिक मसालेदार और खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। बासी भोजन, कटे हुए फल, खुले में मिलने वाले जूस, चाट, गोलगप्पे और अन्य स्ट्रीट फूड का सेवन नहीं करना चाहिए। पीने के लिए हमेशा उबला या फिल्टर किया हुआ स्वच्छ पानी ही उपयोग करें तथा घर में बना ताजा और अच्छी तरह पका भोजन ही खाएं।डॉ. चौधरी ने सलाह दी कि भोजन को हमेशा ढककर रखें, फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही उपयोग करें तथा कच्चे और पके खाद्य पदार्थों को अलग-अलग रखें। दालें, अंकुरित अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां और विटामिन-सी युक्त फल जैसे आंवला, अमरूद और संतरा आहार में शामिल करें। करेला, मेथी, हल्दी, तुलसी और नीम जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थ भी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। साथ ही पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पीते रहें तथा ग्रीन टी, हर्बल टी, गर्म सूप, खिचड़ी, दलिया और भुट्टे जैसे हल्के एवं सुपाच्य खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि रसोई और खाद्य पदार्थ रखने के स्थान की नियमित सफाई करें तथा फ्रिज में रखे भोजन को दोबारा खाने से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बारिश में भीगने पर तुरंत सूखे और साफ कपड़े पहनें ताकि फंगल संक्रमण से बचा जा सके। बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के खानपान और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

डॉ. चौधरी ने लोगों से घर के आसपास पानी जमा नहीं होने देने की अपील करते हुए कहा कि इससे मच्छरों का प्रजनन बढ़ता है और डेंगू, मलेरिया तथा चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। नियमित हल्का व्यायाम, योग और पर्याप्त नींद भी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखते हैं। यदि लगातार बुखार, उल्टी, दस्त या शरीर में पानी की कमी के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें और स्वयं दवा लेने से बचें। उन्होंने कहा कि मानसून प्रकृति का सुहावना मौसम है, लेकिन थोड़ी-सी लापरवाही स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है।

एक नजर

क्रूड ऑइल ऑप्शंस में रिकॉर्ड कारोबार, निवेशकों का बढ़ा भरोसा

रायपुर 15 जुलाई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के क्रूड ऑइल ऑप्शंस में कारोबार लगातार नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। 9 जुलाई 2026 को एक्सचेंज में 2,006.49 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे बड़ा प्रीमियम कारोबार दर्ज किया गया। इस दौरान 47.33 लाख से अधिक कॉन्ट्रैक्ट्स में ट्रेडिंग हुई और ओपन इंटरेस्ट पहली बार 1.14 लाख कॉन्ट्रैक्ट्स के पार पहुंच गया। एनएसई के अनुसार, नवंबर 2025 में एक्सपायरी नियमों में किए गए बदलाव के बाद ट्रेडर्स को अपनी रणनीति बनाने और जोखिम प्रबंधन के लिए अधिक समय मिला, जिससे कारोबार में लगातार तेजी आई है। एक्सचेंज ने कहा कि बाजार से मिले सुझावों के आधार पर उत्पादों में सुधार का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा, ताकि निवेशकों और ट्रेडर्स को बेहतर सुविधाएं मिलें तथा कमोडिटी बाजार को और मजबूती मिले।

राशन कार्ड का किया जा रहा निःशुल्क सत्यापन

बलौदाबाजार 15 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राशन कार्ड का सत्यापन निःशुल्क किया जा रहा है। इसके लिये हितग्राहियों को ग्राम पंचायत या विकासखंड स्तर पर कोई शुल्क देय नहीं हैं। जनपद पंचायत सीईओ को जारी एक पत्र का हवाला देते हुए सचिव एवं सरपंच द्वारा राशन कार्ड सत्यापन के नाम पर पैसा देना पड़ेगा कहकर हितग्राहियों से 200 से 250 रुपए वसूली किया जा रहा है,जबकि पत्र में कहा गया है कि 16 वे वित्त आयोग की 20 प्रतिशत राशि ग्राम पंचायतों को तब तक जारी नहीं किए जाए जब तक पंचायत स्वयं 1200 रुपये प्रति परिवार टैक्स कलेक्शन ना कर ले। उन्होंने बताया कि इस पत्र का राशन सत्यापन से कोई लेना देना नहीं है। हितग्राही किसी तरह की भ्रान्ति में न रहे।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर ने शोक संतप्त परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की

राजनांदगांव 15 जुलाई।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष स्वर्गीय मोतीलाल वोरा की धर्मपत्नी तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अरुण वोरा की माताश्री स्वर्गीय श्रीमती शांति बाई वोरा का 13 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 14 जुलाई को वोरा निवास पद्मनाभपुर से दुर्ग स्थित शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में शामिल होकर पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। श्री छाबड़ा ने कहा कि श्रीमती शांति बाई वोरा का निधन अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। वे सरल, सौम्य और मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थीं तथा सभी लोगों से आत्मीयता के साथ मिलती थीं। उन्होंने दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके पश्चात श्री छाबड़ा प्रदेश कांग्रेस संयुक्त महामंत्री एवं राजनांदगांव प्रभारी महामंत्री बृजेश शर्मा बड़े भाई विजय कुमार शर्मा के निधन पर नया खुर्सीपार भिलाई में आयोजित बारहवां पगड़ीरस्म व श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

रामचंद्र चंद्राकर शाला विकास समिति अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

राजनांदगांव 15 जुलाई।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। उच्च माध्यमिक विद्यालय धामनसरा में मंगलवार को शाला विकास समिति चुनाव बैठक रखा गया था जिसमें सर्वसम्मति से रामचंद्र चंद्राकर अध्यक्ष श्रीमती वेणुबाला पटेल एवं हेमशंकर यादव उपाध्यक्ष आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रेखा पटेल एम एन श्रीमती छाया शेंडे मितानिन नंदेशवरी पटेल भूतपूर्व छात्र अभिषेक चंद्राकर विद्यालय शिक्षक श्री नवनीत पाटिल जनपद सदस्य श्रीमती हर्षी चंद्राकर सरपंच गौरी पटेल प्राचार्य अजय मसीह सदस्य मिलऊ पटेल चुम्मन निषाद तिलक निषाद एवन पटेल सिलीप पटेल श्रीमती गंगा पटेल श्रीमती पेमिन साहू श्रीमती हेमलता वैष्णव श्रीमती ओमेशवरी निषाद श्रीमती सावित्री निषाद श्रीमती अंजली पटेल दानेशवरी गंगवीर को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया बैठक में पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र दास वैष्णव अध्यक्ष ग्राम विकास समिति ढालू राम पटेल गोरे लाल पटेल जीवराखन पटेल भागवत दास वैष्णव बिसे पटेल हेमराय निषाद उपस्थित रहा सभी ने नव निर्वाचित को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

- जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के दिए निर्देश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 15 जुलाई। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं मांगे सुनी। जनदर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों का अवलोकन कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। जनसामान्य अपनी अपेक्षाओं और विश्वास के साथ प्रशासन के पास पहुंचते हैं, इसलिए प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए तथा आवेदनों के निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जनदर्शन में नामांतरण, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, भू-अर्जन से संबंधित प्रकरण, अवैध अतिक्रमण हटाने, नजूल भूमि संबंधी मामलों, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजस्व अभिलेखों में सुधार संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा नागरिकों ने विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं के समाधान के लिए भी आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें तथा आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए।

5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की ऐतिहासिक सौगात पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

रायपुर, 15 जुलाई। प्रदेश को 5 नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की ऐतिहासिक सौगात मिलने पर आज भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ, जिला रायपुर के पदाधिकारियों ने माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी से सौजन्य भेंट कर उनका अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व तथा माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी के सतत प्रयासों से प्रदेश को एक साथ पाँच नए शासकीय मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति मिलना छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के इतिहास में एक मील का पत्थर है। इससे प्रदेश के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के अधिक अवसर प्राप्त होंगे तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को नई गति मिलेगी।

चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय केवल चिकित्सा शिक्षा के विस्तार का नहीं, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं जनहितैषी कदम है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ, जिला रायपुर ने समस्त प्रदेशवासियों एवं चिकित्सा जगत की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी एवं माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर जिला संयोजक डॉ. सत्येंद्र पाण्डेय, सह-संयोजक डॉ. मनोज ठाकुर, डॉ. कृष्णदास माणिकपुरी, सह मीडिया प्रभारी डॉ. रुद्र साहू, डॉ. संदीप भार्गव, सोशल मीडिया प्रभारी डॉ. हर्षिता मेहता, कार्यालय प्रभारी डॉ. बद्री प्रसाद त्रिपाठी, मन की बात के सह प्रभारी डॉ.सुजीत सिंह परिहार तथा चिकित्सा प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. प्राची उपाध्याय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नवागांव में शासकीय जमीन से कब्जे हटाए

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 15 जुलाई। नवगांव वार्ड नं. 2 में अतिक्रमण होने की शिकायत पर निगम का अतिक्रमण दस्ता अतिक्रमण को जे.सी.बी. से तोडने की कार्यवाही किए। नवागांव में पीपलेश्वर महादेव मंदिर के पास श्री प्रकाश पाटील के द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर ठेला रख दिवाल बनाया जा रहा था, जिसे निगम के अतिक्रमण दस्ता ने जे.सी.बी. के माध्यम से तोड़ा।

बारिश में साफ सफाई की दृष्टिकोण से एवं समुचित पानी निकासी के लिए नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता वार्डो में निरीक्षण कर निकासी में आये बाधा और आवागमन प्रभावित होने की दृष्टिकोण से अतिक्रमण हटाव अभियान चला रही है। वही मलमा मंडप के तहत रोड में व नाली जाम कर रखे बिल्डिंग मटेरियल एवं मलमा भी हटाने की कार्यवाही कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण हटाव टीम ने नवागावं में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाए। टीम ने संबंधित को समझाईस दी है कि इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो, अन्यथा चलानी कार्यवाही भी की जावेगी। उप अभियंता श्री तिलकराज ध्रुव व श्री मोनेन्द्र साठिया, सह.उद्यान प्रभारी श्री दीलिप गिरी, समयपाल श्री चिराग मेश्राम, प्र.पटवारी श्री मिलिन्द रेड्डी व श्री गणेश झा तथा अमला जे.सी.बी. टिप्पर के साथ फ्लाई ओव्हर के नीचे पहुचे और ठा.प्यारेलाल स्कूल के सामने नीचे से अनाधिकृत रूप से रखे 6 ठेले खोमचे व दुकान संचालित करने वाले ठेला हटाया गया। कुछ लोगो ने स्वयं से ठेला हटाये। यह अभियान निरंतर जारी रहेगी।

110 पुलिस बल की 4 विशेष टीमों ने कॉम्बिंग गश्त कर सघन चेकिंग की

राजनांदगांव 15 जुलाई।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में दिनांक 13 जुलाई 2026 को रात्रि 9 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक जिला पुलिस द्वारा शहर क्षेत्र में व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान संचालित किया गया। उक्त अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में 5 राजपत्रित अधिकारियों के अंतर्गत 11 निरीक्षक, 2 उप निरीक्षक तथा कुल 110 पुलिस बल की 4 विशेष टीम गठित कर विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ सघन चेकिंग एवं तस्दीक की कार्यवाही की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश, माफी बदमाश, स्थायी वारंटियों एवं किशोर पंजी में दर्ज ऐसे किशोरों की सघन चेकिंग की गई, जो अपराध प्रवृत्ति के हैं अथवा जिन पर अपराध में संलिप्त होने का संदेह है।

महापौर ने वार्ड निरीक्षण के दौरान पानी, सफाई, सड़क जलनिकासी के लिए नाली निर्माण के निर्देश दिए

राजनांदगांव 15 जुलाई। महापौर श्री मधुसूदन यादव आज सुबह वार्ड नंबर 30 , 31 एवं 32 के कंचन बाग जनता कालोनी तथा राहुल नगर में पैदल भ्रमण कर पानी सफाई व पीसीसी रोड निर्माण का जायजा लिया। कंचन बाग बांस टाल के पास बारिश का जल भराव होने पर पीसीसी रोड निर्माण , केशर नगर अटल आवास एवं जनता कालोनी में नाली निर्माण कराने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किये। वही राहुल नगर में पेयजल समस्या के निदान के लिए मदरसा रोड एवं गौरा चैरा के पास पाइप लाइन में कनेक्शन जोड़ने कहा गया ।

महापौर ने वार्डवासियों एवं पार्षद की मांग अनुसार महापौर निधि से सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति दी। निरीक्षण दौरान कंचन बाग क्षेत्र से आने वाले बरसाती पानी के बहाव को रोकने राहुल नगर में नाला निर्माण हेतु प्राक्कलन तैयार करने कहा। उन्होंने केशर नगर अटल आवास का निरीक्षण कर रहवासियों से साफसफाई रखने एवं घरो से निकलने वाले कचरा स्वच्छता दीदीयों को देने समझाइस दिए। राहुल नगर के रहवासियों ने आधे हिस्से में अच्छे फोर्स के साथ पानी आने पर महापौर का आभार व्यक्त करते हुए शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती गिरिजा निर्मलकर, श्री चंद्रशेखर लश्करे, श्रीमती रीना सिन्हा, पूर्व पार्षद विठ्ठल पटेल,पार्षद प्रतिनिधि संतोष निर्मलकर,विजय सिन्हा वार्डवासी सूर्यकांत गुप्ता,नरेश रामटेके,अरुण मरकाम, मनसुख यादव सहित नगर निगम के अधिकारी गण उपस्थित थे ।

न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला- कबीरधाम

ईश्तहार

ई कोर्ट नंबर /ब-121/2025-26
ग्राम- बरबसपुर
प.ह.नं.-09

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंचराम कोसले पिता भाईराम कोसले जाति-सतनामी साकिन-बरबसपुर तह. कवर्धा, जिला-कबीरधाम के द्वारा ग्राम बरबसपुर, प.ह.नं. 09 स्थित में भूमि ख.नं. 82/1 कुल रकबा 0.0450 हेक्टे. परिवर्तित भूमि है, जो कि आवेदक पंचराम कोसले पिता भाईराम कोसले के नाम पर ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में दर्ज है, जिसका आवेदक को ऋणपुस्तिका प्राप्त हुआ था जो गुम हो गया है उक्त भूमि का डुप्लीकेट ऋणपुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो दिनांक 21.07.2026 को प्रातः 10.30 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं।

उपरोक्त तिथी पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 14.07.2026 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
कवर्धा

कलेक्ट्रेट के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अधिकारी सहित ग्रामीणों ने कराई शुगर और बीपी की जांच

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 115 जुलाई। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट में हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें समय - सीमा की बैठक में आने वाले अधिकारियो एवं जनदर्शन में आने वाले ग्रामीणों ने निःशुल्क शुगर व बीपी की जांच कराई। कलेक्टर श्री शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया कि अब हर मंगलवार को यहां स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाए जिसमे समय सीमा की बैठक में आने वाले अधिकारियो के साथ ही जनदर्शन में आने वाले लोगों का भी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच हो। जांच के साथ ही अस्पताल में उपलब्ध दवाई भी निःशुल्क दिया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियो से शिविर में जरुरत अनुसार शुगर व बीपी जांच कराने कहा। स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपना शुगर और बीपी की जांच कराई। इसके साथ ही जनदर्शन में आये ग्रामीणों ने भी बड़ी संख्या में निःशुल्क जांच का लाभ उठाया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन की इस पहल का सराहना करते हुए अच्छी पहल बताया।

सभी जनपद पंचायतों में ब्लाक स्तर पर पौधे लगाने के लिए चलाया जाएगा अभियान

बलौदाबाजार 15 जुलाई। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। चालू मानसून सीजन में व्यापक पैमाने पर पौधरोपण के उद्देश्य से जिले के सभी जनपद पंचायतों में विकासखंड स्तरीय वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को समय - सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा के दौरान वृक्षारोपण हेतु आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री शर्मा ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को पारदर्शी व सुगम बनाया जा रहा है। अब राशन कार्ड सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने से बन जाएगा।हितग्राहियों को जनपद कार्यालय का चककर नहीं लगाने पड़ेगा और समय सीमा में राशन कार्ड बन जाएगा। उन्होंने खाद्य अधिकारी और जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये। गांव में मुक्तिधाम निर्माण,मरम्मत एवं शेड निर्माण को लेकर कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी जनपद सीईओ को स्पष्ट निर्देश दिये कि सभी अच्छी तरह जांच करवा लें कि किस ग्राम पंचायत में मुक्तिधाम निर्माण शेष हैं या मरम्मत योग्य हैं तथा शेड निर्माण नहीं हुआ है। जिस भी ग्राम पंचायत में आवशयक हैं वहां शीघ्र निर्माण के लिये प्रस्ताव तैयार कराएं। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही होने पर सबंधित की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। युवाओ को दी गई नियुक्ति पत्र- जिले की नावाचारी पहल हम होंगे कामयाब पोर्टल के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में नौकरी प्राप्त करने वाले 10 युवाओ को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कलेक्टर श्री शर्मा ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए युवाओ को बधाई दी और इस पोर्टल में अन्य युवाओ को पंजीयन कराने प्रोत्साहित किया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग नारायणपुर संभाग नारायणपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना प्रकाशन

क्रमांक 2990/NIT No 09/व.ले.लि./2026-27 नारायणपुर दिनांक 10.07.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी वर्ग ''द'' से ''अ'' तक पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनूअल निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथिः 21.07.2026 सांयः 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथिः 28.07.2026 सांयः 5.30 बजे तक (रजिस्ट्री / स्पीड पोस्ट द्वारा)
निविदा खोलने की तिथिः 29.07.2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे

नि.क्र.	कार्य का नाम	अमानत राशि / निविदा प्रपत्र की राशि	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
T0022	जिला नारायणपुर के नारायणपुर एड़का आमासरा - गोहड़ा-पावड़ा-चिगंनार-बड़ेडोंगर मार्ग में चौड़ीकरण उन्नतिकरण कार्य ल. 40.00 कि.मी. एवं जिला नारायणपुर के राजनांदगांव-बैलाडीला मार्ग के कि.मी. 210 से 237 = 28.00 कि.मी. में सुदृढ़ीकरण सह मजबूतिकरण कार्य का विस्तुत सर्वे कार्य (प्रथम आमंत्रण)	7400/- 750/-	9.86

शर्तेः निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अन्तर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। जिसका अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग
नारायणपुर (छ.ग.)

जी- 262702105/4

समक्ष : श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी महोदय, डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

// शपथ-पत्र //

शपथकर्ता- मिलिंद कुमार वर्मा (MILIND KUMAR VERMA) उम्र 38 वर्ष, आ. श्री बारे लाल वर्मा, निवासी- 172, वार्ड नं 09, कल्याणपुर, पोस्ट- भोथली, तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगॉव (छ.ग.) 491445 का निवासी हूँ। जो कि शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ कि

मै शपथकर्ता उपरोक्त दर्शित पते का निवासी हूँ।

मेरे नाबालिग पुत्री के आधार कार्ड में नाम त्रुटिवश विधि (VIDHI) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा दर्ज हो गया है। जो कि गलत है।

मेरे नाबालिग पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र व समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में विधि वर्मा (VIDHI VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा है जो कि, सही व वास्तविक नाम है। जिसे मैं परिवर्तित कर अपने नाबालिग पुत्री का नया नाम विधि वर्मा (VIDHI VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा रख लिया हूँ।

मैंने अपनी नाबालिक पुत्री का पुराना नाम विधि (VIDHI) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा के स्थान पर नया नाम विधि वर्मा (VIDHI VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा कर लिया हूँ। अब भविष्य में मेरे पुत्री को विधि वर्मा (VIDHI VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा के नाम से जाना पहचाना जाए।

यदि मेरे द्वारा दी गई जानकारी भविष्य में असत्य अथवा त्रुटिपूर्ण पाया जाता है, तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी। और नाम परिवर्तन के समर्थन में सूचना के प्रकाशन (छ.ग.) के राजपत्र मे प्रकाशित करवाना चाहता हूँ। जिस संबंध में शपथपत्र प्रस्तुत है। अतः अब से मेरे नाबालिग पुत्री को विधि वर्मा (VIDHI VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा के नाम से जाना-पहचाना , पुकारा जाए व दर्ज किया जाए।

अतः यह शपथपत्र. प्रस्तुत करता हूँ।

मिलिंद कुमार वर्मा
शपथकर्ता

// सत्यापन //

मैं शपथकर्ता मिलिंद कुमार वर्मा आ. श्री बारे लाल वर्मा, उम्र 38 वर्ष, शपथपूर्वक सत्यापित करता हूं कि, मेरे द्वारा प्रस्तुत शपथपत्र मेरे निज के ज्ञान विश्वास एवं दस्तावेजों के आधार पर सत्य एवं सही है, अतः आज दिनाँक 11/07/2026 को स्थान डोंगरगढ़ में अपने हस्ताक्षर कर सत्यापित की।

स्थान-डोंगरगढ़ (छ.ग.)
दिनांक- 11/07/2026

मिलिंद कुमार वर्मा
सत्यापनकर्ता

समक्ष : श्रीमान अनुविभागीय दण्डाधिकारी महोदय, डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

// शपथ-पत्र //

शपथकर्ता - मिलिंद कुमार वर्मा (MILIND KUMAR VERMA) उम्र 38 वर्ष, आ. श्री बारे लाल वर्मा, निवासी- 172, कल्याणपुर, भोथली, तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगॉव (छ.ग.) 491445 का निवासी हूँ। जो कि शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ कि :-

मै शपथकर्ता उपरोक्त दर्शित पते की निवासी हूँ।

मेरे नाबालिग पुत्र के आधार कार्ड में नाम त्रुटिवश विवान (VIVAN) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा दर्ज हो गया है। जो कि गलत है।

मेरे नाबालिग पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र व समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में विवान वर्मा (VIVAN VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा है जो कि, सही व वास्तविक नाम है। जिसे मैं परिवर्तित कर अपने नाबालिग पुत्र का नया नाम विवान वर्मा (VIVAN VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा रख लिया हूँ।

मैंने अपने नाबालिग पुत्र का पुराना नाम विवान (VIVAN) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा के स्थान पर नया नाम विवान वर्मा (VIVAN VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा कर लिया हूँ। अब भविष्य में मेरे पुत्र विवान वर्मा (VIVAN VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा के नाम से जाना पहचाना जाएगा।

यदि मेरे द्वारा दी गई जानकारी भविष्य में असत्य अथवा त्रुटिपूर्ण पाया जाता है, तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी। और नाम परिवर्तन के समर्थन में सूचना के प्रकाशन (छ.ग.) के राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहता हूँ। जिस संबंध में शपथपत्र प्रस्तुत है। अतः अब से मेरे नाबालिग पुत्र को विवान वर्मा (VIVAN VERMA) पिता श्री मिलिंद कुमार वर्मा के नाम से जाना-पहचाना, पुकारा जाए व दर्ज किया जाए।

अतः यह शपथपत्र. प्रस्तुत करता हूँ।

मिलिंद कुमार वर्मा
शपथकर्ता

// सत्यापन //

मैं शपथकर्ता मिलिंद कुमार वर्मा आ. श्री बारे लाल वर्मा, उम्र 38 वर्ष, शपथपूर्वक सत्यापित करता हूं कि, मेरे द्वारा प्रस्तुत शपथपत्र मेरे निज के ज्ञान विश्वास एवं दस्तावेजों के आधार पर सत्य एवं सही है, अतः आज दिनाँक 11/07/2026 को स्थान डोंगरगढ़ में अपने हस्ताक्षर कर सत्यापित की।

स्थान-डोंगरगढ़ (छ.ग.)
दिनांक- 11/07/2026

मिलिंद कुमार वर्मा
सत्यापनकर्ता

कलेक्टर ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण,व्यवस्था देखी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 15 जुलाई। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव का आकस्मिक निरीक्षण कर विभिन्न विभागों एवं वार्डों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने रेडियोलॉजी विभाग का निरीक्षण कर प्रतिदिन होने वाले सीटी स्कैन एवं सोनोग्राफी की संख्या तथा विभाग में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से दो सीटी स्कैन टेक्नीशियन की भर्ती हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कैजुअल्टी वार्ड का निरीक्षण किया तथा वहां भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर मेडिकल कालेज में मिल रही चिकित्सा एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कैजुअल्टी वार्ड में दो मेडिकल ऑफिसरों की नियुक्ति करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नियोनेटल वार्ड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने चिलर प्लांट में आवश्यक सुधार करने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके अलावा ऑपरेशन थिएटर एवं इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.एम. लूका, अधीक्षक डॉ. अतुल देशकर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवतरन तथा डॉ. पवन जेठानी सहित अन्य चिकित्सा, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर

पंचायत सचिवों को मिली राहत हड़ताल अवधि की मिलेगी सैलेरी

रायपुर 15 जुलाई। प्रदेशभर के पंचायत सचिवों के लिए राहत भरी खबर है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अवर सचिव अंजू सिंह ने सशर्त आदेश जारी कर हड़ताल अवधि का अवकाश स्वीकृति का निर्णय लिया है। भविष्य में हड़ताल पर ना जाने की शर्त पर इसे समायोजित करने का फैसला सरकार ने लिया है। छत्तीसगढ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जारी आदेश में लिखा है, राज्य शासन द्वारा, प्रदेश पंचायत सचिव संघ, छत्तीसगढ़ के आह्वान पर पंचायत सचिवों द्वारा 17.मार्च 2025 से 16.अप्रैल 2025 तक (कुल 31 दिवस) की गई हड़ताल अवधि के संबंध में, भविष्य में हड़ताल पर न जाने की शर्त के अधीन संबंधित पंचायत सचिवों के अवकाश खाते में उपलब्ध अर्जित अवकाश का समायोजन करते हुए तथा शेष अवधि के लिए विशेष अवकाश स्वीकृत किए जाने की स्वीकृति प्रदान करता है।

रायपुर में फायर स्टेशनों की कमी का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

रायपुर 15 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में राजधानी रायपुर में फायर स्टेशनों की संख्या बढ़ाने का मुद्दा जोरदार ढंग से उठा। रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी ने शहर की बढ़ती आबादी और लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं का हवाला देते हुए चारों दिशाओं में नए फायर स्टेशन स्थापित करने की मांग की।प्रश्नकाल के दौरान सुनील सोनी ने कहा कि रायपुर की आबादी करीब नौ लाख है, जबकि राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रत्येक दो लाख की आबादी पर एक फायर स्टेशन होना चाहिए। उन्होंने सरकार से पूछा कि नए फायर स्टेशनों का भूमिपूजन कब तक कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीते एक महीने में ही शहर में छह से अधिक बड़ी आगजनी की घटनाएं हुई हैं, जिनमें करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। ऐसे में अग्निशमन व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है। जवाब में गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि वर्तमान में रायपुर में टिकरापारा स्थित नगर निगम का फायर स्टेशन, एक अन्य फायर स्टेशन तथा नवा रायपुर में एक फायर स्टेशन सहित कुल तीन फायर स्टेशन संचालित हैं। शहर में 22 दमकल वाहनों के माध्यम से अग्निशमन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विभाग प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है। अग्निशमन संसाधनों को बढ़ाने के लिए राजस्व विभाग के आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से आवश्यक खरीदी की प्रक्रिया प्रस्तावित है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कई संस्थानों की गंभीर लापरवाही सामने आई है और इस विषय पर जल्द बैठक कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

संत राजीव नयन ने माँ गोदावरी आनंदवन में बुजुर्गों से की मुलाकात

रायपुर 15 जुलाई। ग्राम गोमची स्थित माँ गोदावरी आनंदवन आश्रम में आज राष्ट्रीय संत पूज्य श्री राजीव नयन जी महाराज एवं भजन सम्राट पूज्य श्री संजीव नयन जी महाराज का पावन आगमन हुआ। इस अवसर पर आश्रम ट्रस्ट श्री योगेश तिवारी ने संतों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किए आश्रम पहुंचने पर दोनों संतों ने आश्रम का भ्रमण कर यहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा आश्रम में निवासरत बुजुर्ग माता-पिता से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान पूज्य संतों ने बुजुर्गों के बीच बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया, उनका हालचाल जाना तथा अपने प्रेरणादायी विचारों से सभी को आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि माता-पिता एवं बुजुर्गों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं है। जिन परिवारों और समाज में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहां सदैव सुख, समृद्धि और ईश्वर की कृपा बनी रहती है। इस अवसर पर पूज्य राष्ट्रीय संत श्री राजीव नयन जी महाराज ने आश्रम ट्रस्ट श्री योगेश तिवारी की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में जब लोग अपने माता-पिता की सेवा करने से भी पीछे हट रहे हैं, ऐसे दौर में आप बुजुर्ग माता-पिता को परिवार की तरह आश्रय, सम्मान और स्नेह देकर अत्यंत पुण्य एवं प्रेरणादायी कार्य कर रहे हैं।

नकटी के 85 प्रभावित परिवारों के समर्थन में कांग्रेस की पदयात्रा

■ पीसीसी चीफ बैज के नेतृत्व में राजभवन के लिए कूच, बड़ी संख्या में लोग शामिल

रायपुर 15 जुलाई। नवा रायपुर के नकटी गांव में गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने के विरोध में कांग्रेस की 'न्याय पदयात्रा' बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में शुरू हुई। नकटी गांव से राजभवन (लोकभवन) तक निकाली जा रही इस पदयात्रा में प्रभावित परिवारों के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी और विधायक शामिल हुए। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उचित मुआवजे की मांग करेगा।

बता दें कि करीब 13 किलोमीटर लंबी पदयात्रा नकटी गांव से शुरू होकर पीटीएस चौक, माना, फुंडहर चौक, श्रीराम मंदिर (करेंसी टावर), तेलीबांधा और गौरव पथ होते हुए राजभवन पहुंचेगी। कांग्रेस का कहना है कि नकटी गांव के 85 प्रभावित परिवारों को अब तक न्याय नहीं मिला है। पार्टी प्रत्येक परिवार को नकटी गांव में ही 2,000 वर्गफीट भूमि आवंटित कर पुनर्वास और मकान तोड़े जाने से हुए नुकसान के अनुरूप उचित मुआवजा देने की मांग कर रही है।

प्रभावित परिवारों ने प्रशासन द्वारा सेक्टर-30 स्थित हाउसिंग बोर्ड के चौथी मंजिल के फ्लैटों में दिए जा रहे अस्थायी आवास को अस्वीकार कर दिया है। उनका कहना है कि वे अपने मूल गांव में ही पुनर्वास चाहते हैं। फिलहाल सभी परिवार गांव में टेंट और टीन शेड में रहकर जीवन-यापन कर रहे हैं।

पदयात्रा के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के पैर में मोच आ गई। यात्रा शुरू होने के कुछ ही देर बाद पैर में चोट लगने के कारण वे पैदल आगे नहीं चल सके। इसके बाद वे कार में सवार होकर पदयात्रा के पीछे-पीछे चलते रहे, जबकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रभावित ग्रामीणों ने यात्रा जारी रखी।

इधर, संभावित भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने पूरे मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात किया है। यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक श्रीराम मंदिर (करेंसी टावर) से तेलीबांधा थाना तिराहा तक यातायात का दबाव अधिक रहने की जानकारी दी है। इस दौरान सर्विस रोड बंद रहेगी और महासमुंद से दुर्ग की ओर जाने वाले वाहन चालकों को मुख्य मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

स्कूली बच्चों ने निबंध और चित्रकारी से उकेरी 'विकसित भारत' के आधुनिक स्टेशन की तस्वीर

रायपुर 15 जुलाई। भारतीय रेलवे की 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत विकसित सरोना रेलवे स्टेशन को लेकर स्थानीय स्कूली बच्चों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इसी कड़ी में आज सरोना के स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी/अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में निबंध एवं पेंटिंग (चित्रकारी) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पना और रचनात्मकता के अनूठे रंग बिखेरे। बच्चों को मेरे शहर का स्टेशन विकसित भारत में कैसा होगा और विकसित भारत बनाने के लिए मैं क्या करूंगा/करूंगी जैसे बेहद प्रेरणादायी और दूरदर्शी विषय दिए गए थे। इन विषयों पर विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लेकर अपने विचारो को निबन्ध का रूप दिया, बल्कि अपनी उत्कृष्ट चित्रकारी कला के माध्यम से भविष्य के आधुनिक व सर्वसुविधायुक्त रेलवे स्टेशन की सजीव तस्वीर भी कैनवास पर उतारी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सरोना स्टेशन को यात्रियों के अनुकूल सर्वसुविधायुक्त बनाने हेतु यात्री सुविधा विकास के अनेक कार्य कराये गए हैं। स्टेशन भवन का सौंदर्यीकरण और विस्तार, यात्रियों के लिए सुविधाजनक प्रतीक्षालय एवं बैठने की व्यवस्था, बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था,आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली की स्थापना, दिव्यांग अनुकूल सुविधाओं के साथ ही स्वच्छता व पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं का विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल है।

स्कूल प्रबंधन और रेलवे समन्वयकों के अनुसार, इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी बच्चों का प्रयास सराहनीय रहा। दोनों स्कूलों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं का चयन कर उन्हें विशेष रूप से पुरस्कृत व सम्मानित किया जाएगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर की स्थापना की

रायपुर 15 जुलाई। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (एलजी) रोबोटिक्स के व्यावसायीकरण का समर्थन करने के लिए आवश्यक मुख्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर स्थापित कर रहा है, जिसमें व्यवसाय विकास से लेकर आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण संचालन तक शामिल हैं। सीधे सीईओ ल्यू जे-चेओल को रिपोर्ट करने वाला यह नया संगठन, कंपनी के भविष्य के प्रमुख व्यवसायों में से एक के रूप में रोबोटिक्स में विकास को गति देने की एलजी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी, रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर का गठन एलजी के ऑफ-साइकिल संगठनात्मक पुनर्गठन के हिस्से के रूप में किया जाएगा। कंपनी के वार्षिक संगठनात्मक पुनर्गठन से चार महीने पहले का यह समय, फिजिकल एआई पर आधारित रोबोटिक्स पर एलजी के रणनीतिक फोकस को रेखांकित करता है।

रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर सॉन्ग सी-योंग के नेतृत्व में व्यापार विकास, बिक्री और संचालन को कवर करने वाले एक एंड-टू-एंड व्यावसायिक संगठन के रूप में काम करेगा। सॉन्ग ने इससे पहले एलजी के प्रोडक्शन इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रमुख नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाई हैं। नया रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर एक समर्पित डेटा फैक्ट्री संगठन भी लॉन्च करेगा।

कांग्रेसजनों ने मनाया प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का जन्मदिन

रायपुर 15 जुलाई। कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का जन्मदिन पूरे उत्साह और सादगी के साथ मनाया। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज सपत्नीक सुबह देवेन्द्र नगर के ऑफिसर कॉलोनी में भगवान भोलेनाथ के मंदिर में दर्शन करने के बाद वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में दर्शन एवं पूजन किया। उसके बाद वे नकटी के प्रभावितों से मिलने नकटी गांव गये तथा उनके दुख में सहभागी बने।

श्री दीपक बैज राजीव भवन में दोपहर 12 बजे से देर शाम तक कांग्रेसजनों एवं जन सामान्य से मिलते रहे। पूरे प्रदेश से कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बधाई देने के लिए राजीव भवन आये थे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर, सांसद फूलोदेवी नेताम, पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, महिला कांग्रेस अध्यक्ष संगीता सिन्हा, वरिष्ठ नेता राजेन्द्र तिवारी, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, बस्तर विधायक एवं उप नेताप्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल, विधायक एवं उपसचेतक दिलीप लहरिया, डौण्डीलोहारा विधायक अनिला भेड़िया, धरमजयगढ़ विधायक लालजी सिंह राठिया, सारंगढ़ विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े, खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, सिहावा विधायक अंबिका मरकाम, गुण्डरदेही विधायक कुवर सिंह निषाद, खुज्जी विधायक भोला राम साहू, बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी, भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी, लैलुंगा विधायक विद्यावती सिदार, रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह, जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप, पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश, सराईपाली विधायक चातुरी नंद, बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे, कसडोल विधायक संदीप साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक राम ध्रुव, डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, महामंत्री दीपक मिश्रा, महामंत्री सकलेन कामदार सहित बड़ी संख्या में विधायक गण, प्रदेश पदाधिकारी बधाई देने राजीव भवन पहुंचे थे।

प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू के नेतृत्व में राजीव भवन में जन्मदिन को व्यवस्थित मनाने की पूरी तैयारी की गयी थी। जन्मदिन के आयोजन में ढोल एवं फटाखे से परहेज किया गया तथा जन्मदिन पूरी सादगी के साथ मनाया गया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने रक्तदान भी किया।

रायपुर में सबसे ज्यादा 634 अपहरण : गृहमंत्री

रायपुर 15 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में गृहमंत्री के लिखित उत्तर में प्रदेश के अपराधों के ताजा आंकड़े सामने आए हैं। 1 जुलाई 2025 से 30 जून 2026 की अवधि के दौरान अपहरण के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं हत्या के मामलों में कुछ जिलों में कमी आई है, जबकि लूट के मामलों में अलग-अलग जिलों में मिश्रित स्थिति देखने को मिली है। गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार रायपुर में अपहरण के सबसे अधिक 634 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 524 मामलों से 110 अधिक हैं। बिलासपुर में अपहरण के मामले 331 से बढ़कर 438, दुर्ग में 229 से 365, बलौदाबाजार में 202 से 263 और रायगढ़ में 111 से बढ़कर 197 हो गए। विधानसभा में प्रस्तुत इन आंकड़ों ने प्रदेश में बढ़ते अपहरण के मामलों पर चिंता बढ़ा दी है।

हत्या के मामलों में रायपुर में 85 से घटकर 84, बिलासपुर में 59 से 50, कोरबा में 51 से 46 और जशपुर में 65 से 49 मामले दर्ज हुए। हालांकि दुर्ग में हत्या के मामले 53 से बढ़कर 60 और बलौदाबाजार में 27 से बढ़कर 40 हो गए। लूट के मामलों में भी अलग-अलग तस्वीर सामने आई है। रायपुर में लूट के मामले 66 से घटकर 64 रहे, जबकि बलौदाबाजार में 15 से बढ़कर 35, बिलासपुर में 31 से 34 और महासमुंद में 12 से 19 मामले दर्ज किए गए।

विश्वशांति के लिए अहिंसा व जियो और जीने दो का मार्ग श्रेष्ठ

रायपुर 15 जुलाई। आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर हस्ते प्रतिष्ठित चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में अमावस्या के पावन अवसर पर विश्वशांति प्रत्यर्थ दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष सन्तोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि जैन धर्म के मूलमंत्र अहिंसा व जियो और जीने दो के वातावरण का प्रसार हो इस मंगल भावना से दादागुरुदेव की बड़ी पूजा के साथ छत्तीसगढ़वासियों की सुख समृद्धि की कामना की गई । वर्धमान चोपड़ा , मंजू कोठारी , दीप्ती बैद द्वारा बड़ी पूजा विधान सम्पन्न हुआ । अमावस्या पर पूजा पश्चात लाभार्थी परिवार की ओर से प्रभावना रखी गई । दादागुरुदेव की बड़ी पूजा के लाभार्थी विमल चंद प्रियांशु बुरड़ , निर्मल चंद पंकज सौरभ राहुल मुणोत , अशोक अरुणा कोठारी , मोहन लाल मनीष नमन पगारिया , मनोहर लाल पुगलिया , श्रीमती मंजू महेन्द्र कोठारी , जयचंद रमेश , मोहन चंद बच्छावत , दिनेश कुमार जैन , बसंत जितेन्द्र नाहर , नीलमचंद डॉ अंशुल बरड़िया , वर्तिका वर्धमान वैभव चोपड़ा , गुमान चंद कांतिलाल झाबक , संतोष सरला बैद व गुप्त भक्त परिवार हैं ।

10 करोड़ खर्च, फिर भी नहीं बचे बाघ विधानसभा में सरकार पर बरसा विपक्ष

रायपुर 15 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा में ध्यानाकर्षण के जरिए नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार का मामला उठाया। महंत ने वन विभाग की लापरवाही से बाघों की लगातार शिकार होने की बात कही। इसी मुद्दे पर विधायक शेषराज हरवंश, विक्रम मंडावी एवं लखेश्वर बघेल ने भी वन मंत्री को घेरा। विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या बढ़ रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महंत ने वन मंत्री से पूछा, बाघों के शिकार मामले में गिरफ्तार आईबी के जवान का नाम सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया ? क्या इसमें कोई राजनीतिक सिंडिकेट है? अलर्ट जारी हुआ था फिर भी लापरवाही बरती गई। उन्होंने कहा, आपने जवाब में माना है कि 30 महीने में 6 बाघ की मौत हुई। छत्तीसगढ़ में बाघों की चोरी हो रही है और कैमरे बंद हो जा रहे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने महंत के सवालों का जवाब देते हुए कहा, किसी को बचाने की कोशिश नहीं की गई है, न ही किसी का नाम छिपाया गया। वन्य जीवों की रक्षा के लिए वन विभाग सक्रिय है। कोई कैमरे में खराबी नहीं थे, बंद नहीं थे। 126 कैमरे लगाए गए हैं।

कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने वन मंत्री से पूछा, इंद्रावती टाइगर रिजर्व में कितने बाघ हैं ? इंद्रावती टाइगर रिजर्व का वार्षिक बजट कितना होता है? इस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, 2022 की जानकारी के अनुसार इंद्रावती टाइगर रिजर्व में 5 बाघों की पुष्टि हुई है, 6 बाघों के खाल मिले हैं। जो बाघ के खाल मिले हैं वो इंद्रावती के ही हैं, यह पुष्टि नहीं हुई है। मंत्री कश्यप ने कहा, इंद्रावती टाइगर रिजर्व में 10 करोड़ प्रति वर्ष व्यय करते हैं।

नेताप्रतिपक्ष चरणदास महंत, शेषराज हरवंश, विक्रम मंडावी एवं लखेश्वर बघेल ने बाघों के शिकार मामले में वन मंत्री को घेरते हुए कहा, बस्तर में लाल आतंक की समाप्ति के बाद तस्कर सक्रिय हो गए हैं। इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में पांच माह पूर्व तीन बाघ तथा एक सप्ताह पूर्व शिकार किए गए दो बाघों की खाल के साथ पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर दो बाघों की खाल जब्त की है। गिरफ्तार तस्कर महाराष्ट्र पुलिस के आईबी विभाग के हवलदार तथा सिपाही थे एवं उनकी पोस्टिंग छत्तीसगढ़ राज्य की सीमावर्ती पोस्ट में थी, परंतु वन विभाग ने उनके नामों का खुलासा नहीं किया है।

विपक्ष के नेताओं ने कहा, छत्तीसगढ़ प्रदेश में बाघों के संरक्षण के लिए मंत्रिपरिषद की बैठक 12 जून 2025 में लिए गए निर्णय के अनुसार छत्तीसगढ़ टाइगर फाउंडेशन सोसायटी का गठन किया गया है। वाईल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो ने भी वन मुख्यालय छत्तीसगढ़ को 13 मई 2026 को पत्र लिखकर जिन क्षेत्रों में बाघ तथा तेंदुआ का मूवमेंट है, उन संवेदनशील इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाने तथा सतर्कता के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में वन्य जीवों, बाघ, तेन्दुआ के शिकार कर उनकी खाल एवं अंगों की तस्करी होने की शिकायतें मिल रही है। विभाग के जिम्मेदार अधिकारी सूचना के बाद भी निष्क्रिय हैं।

विपक्ष ने कहा, प्रदेश में बाघों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये राज्य बजट से एवं अन्य मदों से खर्च किए जाते हैं, उसके बाद भी विभाग की निष्क्रियता के कारण दुर्लभ प्राणियों के शिकार एवं तस्करी हो रही। इससे प्रदेश के वन्य जीव प्रेमियों एवं आम जनता में सरकार के प्रति रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

विपक्ष के प्रश्नों का जवाब देते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा, इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में पांच माह पूर्व तीन बाघों की शिकार की घटना हुई है। एक प्रकरण दंतेवाड़ा वनमण्डल में दिनांक 17/03/2026 को दर्ज किया गया है, जिसमें आरोपी से एक नग बाघ की खाल जब्त की गई थी। आरोपी के बयान अनुसार बाघ इन्द्रावती टाइगर रिजर्व के भीतर शिकार की गई थी।

बदलाव | **मुख्यमंत्री ने नक्सल विरोधी अभियानों में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की**

नक्सलवाद पर केंद्र के सहयोग के लिए साय ने जताया आभार

रायपुर 15 जुलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा बस्तर अब शांति, सुरक्षा और विकास के नए दौर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास, सुरक्षा बलों के साहस और स्थानीय लोगों के सहयोग से यह बदलाव संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री ने नक्सल विरोधी अभियानों में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान हमेशा देश को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, छत्तीसगढ़ पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा और विकास को साथ लेकर चलने की रणनीति अपनाई गई। 24 अगस्त 2024 को रायपुर में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद नक्सल उन्मूलन के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाई गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए राज्य सरकार ने पुनर्वास नीति लागू की है। इसके तहत आर्थिक सहायता, भूमि, कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने हिंसा छोड़कर सामान्य जीवन अपनाया। सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सरकार का पूरा ध्यान 'बस्तर रोडमैप 2.0' के जरिए बस्तर के समग्र विकास पर है। इसके तहत पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और आधारभूत ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुन्ने अभियान' के माध्यम से 5,542 गांवों के 39 लाख से अधिक लोगों तक 31 सरकारी योजनाओं और 14 सामुदायिक सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा कैंपों को अब 'शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां नागरिक सुविधाएं, सरकारी सेवाएं और आजीविका से जुड़ी गतिविधियां उपलब्ध होंगी। सरकार

मुख्यमंत्री ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 458 बंद स्कूलों में से 421 स्कूलों का संचालन दोबारा शुरू कर दिया गया है और 36 नए विद्यालयों को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कहा कि 3,513 करोड़ रुपये की लागत से जगदलपुर-रावघाट रेल परियोजना पर काम जारी है। वहीं रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे का निर्माण अंतिम चरण में है और जगदलपुर की हवाई सेवाओं का भी विस्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर के सभी विकासखंडों में कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों में 4 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी रही, जिससे युवाओं को सकारात्मक दिशा मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि बस्तर के लोगों के जीवन स्तर में स्थायी सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, विकास और जनकल्याण की एकीकृत रणनीति से बस्तर आज विश्वास, अवसर और समृद्धि की नई राह पर आगे बढ़ रहा है।

नगर पालिक निगम बीरगांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रायपुर 15 जुलाई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सहयोग से जुलाई 2023 में राष्ट्रीय यांत्रिकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र कार्य योजना (नमस्ते) प्रारंभ की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करना तथा स्वच्छता कार्यों के दौरान शून्य मृत्यु दर प्राप्त करना है। नगर पालिक निगम बीरगांव में नमस्ते दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया तथा स्वच्छता कर्मियों को उनकी सुरक्षा हेतु पीपीई किट वितरित की गई।कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी श्री कमल नारायण जंघेल द्वारा नमस्ते योजना के उद्देश्यों एवं प्रावधानों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को कार्य करते समय आवश्यक सावधानियां बरतने एवं सुरक्षा उपायों का पालन करने के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया। नगर पालिक निगम बीरगांव के महापौर श्री नंदलाल देवांगन, आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा, पार्षद श्री खेमलाल साहू, निगम सचिव श्रीमती श्वेता अम्बिलकर, स्वास्थ्य अधिकारी श्री कमल नारायण जंघेल, स्वच्छता निरीक्षक श्री राजेश सिंह क्षत्रिय, जिला समन्वयक श्री विकास जांगड़े सहित समस्त सफाई सुपरवाइजर, सफाई कर्मचारी एवं स्वच्छता दीदियां उपस्थित रहीं।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26